अभ्युदय

भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स

BHAVDIYA GROUP OF INSTITUTIONS

(ISO 9001:2008 Certified Institution)

प्रबन्ध एवं प्रशासनिक मण्डल

एम. एल. वर्मा

प्रबन्ध निदेशक

इं. पी. एन. वर्मा

अध्यक्ष

प्रो. मंशाराम वर्मा

महानिदेशक

डॉ. अवधेश कुमार वर्मा

सचिव

अभ्युदय

अभ्युदय

संयुक्तांक : 2

वर्ष 2014–15 व 2015–16

सम्पादक मण्डल

प्रधान सम्पादक : डॉ. प्रेमनारायण द्विवेदी, प्राचार्य–भवदीय एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट

सम्पादक : डॉ. संजय कुशवाहा, प्राचार्य–फार्मेसी

डॉ. शिशिर पाण्डेय, उपाचार्य, एम.बी.ए.

डॉ. दयाशंकर वर्मा, उपाचार्य, बी.टी.सी.

छात्र सम्पादक

नेहा वर्मा	:	एम.बी.ए. (IV सेमेस्टर)
घनश्याम	:	बी.टी.सी. (III सेमेस्टर)
रंजीत पटेल	:	डी.फार्मा. (II वर्ष)

विशेष सहयोग

श्री अतुल श्रीवास्तव

प्रकाशक : भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स, सीवार, सोहावल–फैजाबाद

मुद्रक : रघुवंशी प्रिन्टर्स एण्ड बाइन्डर्स, इण्डस्ट्रियल एरिया

गद्दोपुर–फैजाबाद ☎: 05278-222194

भवदीय ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन्स, सीवार-सोहावल, फैजाबाद

संस्थान-गीत

जहाँ पर जगता है आलोक, जहाँ मिटता अँधियारा है।
वही यह परम रम्य 'भवदीय' ज्ञान का केन्द्र हमारा है॥

अवध का दिव्य क्षेत्र सीवार–सोहावल–ग्रामांचल अभिराम,
जहाँ के उत्तर पथ के छोर बहे सरयू–धारा अविराम,
हरित वन–उपवन–निर्मल नीर अलौकिक कूल–किनारा है।
वही यह परम रम्य 'भवदीय' ज्ञान का केन्द्र हमारा है॥1॥

यशस्वी 'वर्मा मिश्रीलाल' बने संस्थापक अथक उदार,
पिताश्री 'हेमराज' का स्नेह, 'रमाऊ देवी' माँ का प्यार,
उसी से निर्मित यह संस्थान नित्य नूतन उजियारा है।
वही यह परम रम्य 'भवदीय' ज्ञान का केन्द्र हमारा है॥ 2॥

जहाँ संचालित हैं सब भाँति नयी शिक्षा के विविध प्रकल्प,
चिकित्सा–शिक्षण–कम्प्यूटर–प्रबन्ध के बने श्रेय–संकल्प,
लोक ने देकर शुभ सहयोग हमारा लक्ष्य सँवारा है।
वही यह परम रम्य 'भवदीय' ज्ञान का केन्द्र हमारा है॥ 3॥

प्रगति का अमर साधना–धाम चेतना का पावन उल्लास,
युवा पीढ़ी का जो दिन–रात बढ़ाये मंगलमय विश्वास,
'हमारा हाथ–आपका साथ' बना चिर–चिन्तन न्यारा है।
वही यह परम रम्य 'भवदीय' ज्ञान का केन्द्र हमारा है॥ 4॥

[इस संस्थान–गीत की रचना इन्स्टीट्यूट के प्रबन्ध–तंत्र के सचिव डॉ. अवधेशकुमार वर्मा, संस्थान के चेयरमैन श्री पी. एन. वर्मा तथा महानिदेशक श्री मंशाराम वर्मा की प्रेरणा से कवि डॉ. जनार्दन उपाध्याय, पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष, साकेत महाविद्यालय, अयोध्या के द्वारा महाशिवरात्रि 07 मार्च, 2016 ई. को की गयी।]

संदेश

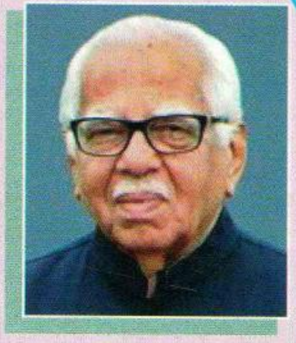

राम नाईक
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

सत्यमेव जयते

राज भवन
लखनऊ - 226 027

दिनांक 28.03.2016

मुझे यह जानकर अतीव प्रसन्नता हुई कि भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स, सीवार, फैजाबाद द्वारा अपने वार्षिक समारोह के अवसर पर पत्रिका 'अभ्युदय' का प्रकाशन किया जा रहा है।

शिक्षण संस्थाओं में शिक्षा ग्रहण करते हुए विद्यार्थियों का चारित्रिक एवं मानसिक विकास भी होता है। विद्यालय की वार्षिक पत्रिका विद्यार्थियों की रचनात्मक लेखन क्षमता में वृद्धि का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

पत्रिका 'अभ्युदय' के सफल प्रकाशन हेतु मैं हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(राम नाईक)

संदेश

लल्लू सिंह
सांसद लोकसभा
फैजाबाद (उ0प्र0)

सत्यमेव जयते

23, फिरोजशाह रोड,
नई दिल्ली - 110001
फोन : 011-23782845

दिनांक 26.03.2016

बड़े हर्ष का विषय है कि भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स, सीवार निकट-लोहिया पुल फैजाबाद के शैक्षिक सत्र (2015-16) में वार्षिक समारोह का आयोजन एवं वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का विमोचन 05 अप्रैल 2016 को किया जा रहा है। जनपद के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में ज्ञान और कर्म की अजस्र परम्परा के संवहन हेतु स्थापित भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स, सीवार निकट लोहिया पुल फैजाबाद के शैक्षिक सत्र 2011-12 से लगातार डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध वि.वि. फैजाबाद एवं गौतम बुद्ध प्राविधिक विवि (U.P.T.U.) लखनऊ द्वारा प्राप्त सम्बद्धता के अनुसार बीबीए, बीसीए, एमबीए, डीफार्म, बीएड् एवं बीटीसी कोर्स का शिक्षण कार्य सुचारु रूप से सम्पन्न कर रहा है।

मुझे आशा ही नहीं बल्कि विश्वास भी है कि इस प्रकार वार्षिक समारोह के आयोजन व वार्षिक पत्रिका के विमोचन के लिये मेरी शुभकामनायें सदैव रहेगी।

सेवा में,
पी.एन. वर्मा
चेयरमैन
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, फैजाबाद

(लल्लू सिंह)

संदेश

तेज नारायण पाण्डेय
(पवन पाण्डेय)
राज्यमंत्री
वन, उत्तर प्रदेश

कार्यालय : 0522-2235740
सी0एच0 : 0522-2214800
आवास : 802, सी-ब्लाक, बहुखण्डी मंत्री आवास डालीबाग, लखनऊ
कमरा नं0 एफ-1/2, प्रथम तल, बापू भवन, लखनऊ

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हुई कि 'भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स' सीवार सोहावल-फैजाबाद विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी अपने वार्षिकोत्सव 2015-16 के शुभ अवसर पर वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का प्रकाशन करने जा रहा है।

'भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स' जनपद के सुदूर सीमा पर ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है। शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्र में संस्थान द्वारा आधुनिक एवं तकनीकी शिक्षा की व्यवस्था कर शिक्षण कार्य करने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है। ऐसा इसलिए सम्भव हो पा रहा है कि संस्थान के संस्थापक/प्रबन्धक उत्कृष्ट सामाजिक सोच के व्यक्ति हैं।

हमें पूर्ण विश्वास है कि वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' अपने उद्देश्य में सफल होगी। पत्रिका के सम्पादक मण्डल एवं प्रबन्ध समिति के सभी सदस्यों को शुभकामना प्रेषित करते हुए संस्थान के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

सेवा में,
पी.एन. वर्मा
चेयरमैन
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, फैजाबाद

आपका
तेज नारायण पाण्डेय
(पवन पाण्डेय)

अभ्युदय

संदेश

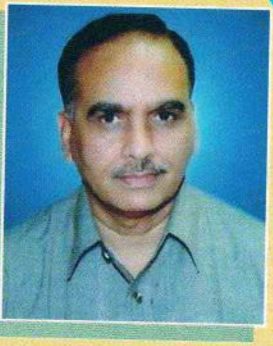

प्रो. जी.सी.आर. जायसवाल
कुलपति
Prof. G. C. R. Jaiswal
Vice-Chancellor

डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय
फैजाबाद-224001 (उ.प्र.) भारत
Dr. Ram Manohar Lohia Avadh University
Faizabad-224 001 (U.P.) India
Tel.:(O)05278-246223,(R)246224,245209
Fax:(O)05278-246330;E-mail:vc@rmlau.ac.in

दिनाँक : 21 मार्च 2016

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स, सीवार, सोहावल, फैजाबाद अपनी वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का प्रकाशन करने जा रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा रूपी प्रकाश फैलाने वाली इस संस्था की पत्रिका में सम्मिलित नवीन सूचनाएँ व सारगर्भित तत्त्वों का समावेश एवं निर्देशात्मक लेख छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास एवं उन्हें प्रेरणा प्रदान करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

'अभ्युदय' के सफल प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं एवं सम्पादक मण्डल को मेरी हार्दिक बधाई।

श्री पी.एन. वर्मा
चेयरमैन
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, फैजाबाद

(जी0सी0आर0 जायसवाल)

संदेश

प्रो0 विनय कुमार पाठक
कुलपति

डॉ0 एपी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

दिनाँक : 18, मार्च, 2016

हमें यह जानकर अत्यन्त हर्ष हुआ है कि भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी संस्थान की वार्षिक पत्रिका (2015-2016) 'अभ्युदय' प्रकाशित करने जा रहा है।

पत्रिका के माध्यम से संस्थान में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं व शिक्षकों द्वारा रचनात्मक क्रिया-कलापों, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों व रचनाओं का समावेश करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को नवीनतम तकनीकी एवं वर्तमान परिदृश्य से अवगत कराये जाने का एक सफल प्रयास है। वार्षिक पत्रिका के प्रकाशित होने पर सभी को लाभ होगा।

यह मेरे लिए एक गर्व की बात है कि मेरा संदेश इस प्रतिष्ठित पत्रिका में सम्मिलित किया जाएगा। इस पत्रिका में संस्थान द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में जो विकासशील कार्य हुए हैं उनका ब्यौरा होगा और विद्यार्थियों के लिए वह सब जानकारी होगी जो उनको चाहिए। यह पत्रिका उन छात्रों के लिए जो अपनी उच्च शिक्षा उ0प्र0 प्राविधिक विश्वविद्यालय से करना चाहते हैं, एक संदर्भ पुस्तक के रूप में उपयोगी होगी।

आपकी यह पत्रिका ज्ञानवर्धक तथा दिशानिर्देशिका के रूप में सफलता प्राप्त करें। आप सभी को पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु शुभकामना।

(प्रो0 विनय कुमार पाठक)
कुलपति

अभ्युदय

संदेश

रामचन्द्र यादव
विधायक
रूदौली-फैजाबाद

B.G. 2, राज्य सम्पत्ति कलोनी
माल एवेन्यू लखनऊ
क-5 No. 323333
मो.-8765954970, 9415220081

हमें यह जानकर अत्यन्त हर्ष हुआ है कि भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी संस्थान की वार्षिक पत्रिका (2015-2016) 'अभ्युदय' प्रकाशित करने जा रहा है।

पत्रिका के माध्यम से संस्थान में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं व शिक्षकों द्वारा रचनात्मक क्रिया कलापों, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों व रचनाओं का समावेश करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को नवीनतम तकनीकी एवं वर्तमान परिदृश्य से अवगत कराये जाने का एक सफल प्रयास है।

यह मेरे लिए एक गर्व की बात है कि मेरा संदेश इस प्रतिष्ठित पत्रिका में सम्मिलित किया जाएगा। इस पत्रिका में संस्थान द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में जो विकासशील कार्य हुए हैं उनका ब्यौरा होगा और विद्यार्थियों के लिए वह सब जानकारी होगी जो उनको चाहिए। यह पत्रिका एक संदर्भ पुस्तक के रूप में उपयोगी होगी।

आपकी यह पत्रिका ज्ञानवर्धक तथा दिशा निर्देशिका के रूप में सफलता प्राप्त करे। आप सभी को पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु शुभकामना।

सादर,

पी.एन. वर्मा
चेयरमैन
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, फैजाबाद

(रामचन्द्र यादव)

अभ्युदय

संदेश

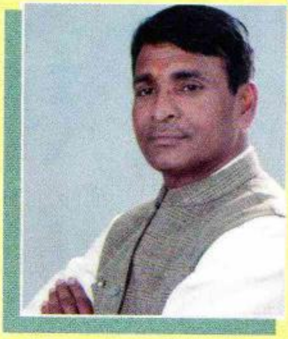

आनन्द सेन यादव
सदस्य विधान सभा
बीकापुर-फैजाबाद

28, रायल होटल, लखनऊ
कार्या.-शहीद भवन, फैजाबाद
क- नं.-521821

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष हुआ है कि 'भवदीय ग्रुप इन्स्टीट्यूशन्स' सीवार-सोहावल, फैजाबाद गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी संस्थान का वार्षिक समारोह 2015-16 का आयोजन कर रहा है तथा वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' प्रकाशित करने जा रहा है। पत्रिका के माध्यम से अपने संस्थान के कार्यकलापों अध्ययनरत छात्र-छात्राओं व शिक्षकों द्वारा रचनात्मक क्रियाकलापों साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का समावेश करते हुए नवीनतम तकनीकी एवं वर्तमान परिदृश्य को अवगत कराये जाने का सफल प्रयास है।

हमें पूर्ण विश्वास है कि प्रकाशित होने जा रही पत्रिका 'अभ्युदय' अपने उद्देश्य में सफल होगी। मैं अभ्युदय के वर्तमान अंक के सफल प्रकाशन एवं वार्षिकोत्सव हेतु अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

सेवा में,
पी.एन. वर्मा
चेयरमैन
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, फैजाबाद

(आनन्द सेन यादव)

संदेश

लीलावती कुशवाहा
सदस्य विधान परिषद
उत्तर प्रदेश

एच-8 6, पार्क रोड विधायक निवास
कालीदास मार्ग लखनऊ
मो.-9415717687, 7376342834
क- नं.-002884

मुझे यह जानकर अतीव प्रसन्नता हुई कि भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स निकट लोहियापुल, फैजाबाद विगत वर्षों की भांति इस वर्ष (2015-16) भी अपने वार्षिक समारोह का आयोजन कर रहा है। इस अवसर पर वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का प्रकाशन करने जा रहा है।

आशा है कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में शैक्षणिक संस्थान द्वारा दिये जा रहे आधुनिक एवं तकनीकि ज्ञान से समाज के सभी वर्गों के अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं लाभान्वित होंगे तथा देश और समाज के विकास में भागीदार होंगे। हमें पूर्ण विश्वास है कि प्रकाशित होने जा रही वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' अपने उद्देश्य में सफल होगी।

पत्रिका के सम्पादक मण्डल एवं प्रबन्ध समिति को शुभकामना प्रेषित करते हुए संस्थान के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ।

सेवा में,
पी.एन. वर्मा
चेयरमैन
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, फैजाबाद

(लीलावती कुशवाहा)

संदेश

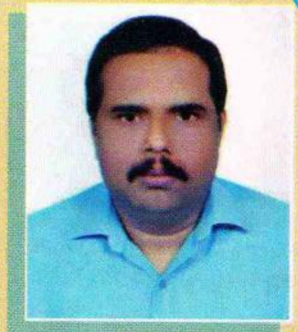

भारत संचार निगम लिमिटेड
कार्यालय महाप्रबंधक दूरसंचार फैजाबाद
टेलीफोन भवन, सिविल लाइंस, फैजाबाद–224001
टेली. फोन नं.–05278–228000, फैक्स–227500/228400

जे.एल.गौतम
आई.टी.एस.
महाप्रबन्धक दूरसंचार
भारत संचार निगम लिमिटेड, फैजाबाद

भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, फैजाबाद की गृह पत्रिका ''अभ्युदय'' के नए अंक के प्रकाशन पर मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

इन गृह पत्रिकाओं के माध्यम से संस्था में अध्ययनरत विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों को एक सुअवसर उपलब्ध होता है कि वह अपने विचारों/भावनाओं को लेखनी के माध्यम से प्रकट कर सकें। पत्रिका में प्रकाशित होने वाले विविध प्रकार के लेख के अध्ययन से ज्ञान संवर्धन के साथ-साथ मनोरंजन भी होता है।

भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, फैजाबाद ने बहुत अल्प समय में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। आशा करता हूँ कि इंस्टीट्यूशन्स द्वारा किये जा रहे कार्यों से समाज के सभी वर्ग लाभान्वित होंगे।

जे.एल.गौतम

अभ्युदय

संदेश

संजय कुमार
कुलसचिव

डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय
फैजाबाद-224001 (उ.प्र.) भारत

पत्रांक-लो.अ.वि./कु.स.का./2016 - मेमो

दिनाँक : 21 मार्च 2016

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स, सीवार, सोहावल-फैजाबाद द्वारा वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का प्रकाशन किया जा रहा है। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका महाविद्यालय में अध्ययनरत् छात्र-छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा की अभिवृद्धि में सहायक होगी।

मैं 'अभ्युदय' के वर्तमान अंक के सफल प्रकाशन हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

श्री पी.एन. वर्मा
चेयरमैन
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, फैजाबाद

(संजय कुमार)
कुल सचिव

संदेश

(एस0 के0 सिंह)
सचिव

अ.श. पत्रांक-सचिव कैम्प 11444/2016
प्राविधिक शिक्षा परिषद् उत्तर प्रदेश
लखनऊ,

दिनाँक : 28.03.2016

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, एन.एच. 28, फैजाबाद-लखनऊ हाईवे, सीवार, सोहावल, फैजाबाद द्वारा शैक्षणिक सत्र 2015-16 हेतु अपनी संस्था की वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का विमोचन किया जा रहा है। आशा है इस पत्रिका में संस्था के बारे में वर्तमान की गतिविधियों व भविष्य के संकल्पों की जानकारी एवं तकनीकी क्षेत्र से संबंधित छात्र-छात्राओं के ज्ञानार्जन हेतु समुचित सामग्री प्रकाशित होगी।

मैं वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय के सफल प्रकाशन हेतु अपनी हार्दिक शुभकामनायें प्रेषित करता हूँ।

(एस0 के0 सिंह)
सचिव

अभ्युदय

संदेश

एस0 एल0 पाल
उपकुलसचिव

डा0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय
फैजाबाद (उ0प्र0)

दिनाँक : 20 मार्च 2016

<u>शुभकामना</u>

मुझे यह जानकर अतीव प्रसन्नता हुई कि भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, सीवार, सोहावल, फैजाबाद अपने वार्षिक समारोह के अवसर पर संस्थान की वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का विमोचन कर रहा है। पत्रिका में संकलित लेख, कविताएँ आदि निश्चय ही पाठकों को प्रभावित करेंगी। इसके विमोचन में संस्थान के प्रबन्धतंत्र, प्राचार्य, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं के अथक परिश्रम एवं रचनाशीलता का परिचय मिलता है।

मैं संस्थान के वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' के सफल विमोचन हेतु अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ तथा छात्र-छात्राओं को शुभ आशीष के साथ उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सम्पादक मण्डल के सदस्यों को हार्दिक बधाई देता हूँ।

एस0 एल0 पाल
उपकुलसचिव

संदेश

भवदीय ग्रुप ऑफ़ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार-सोहावल : फ़ैज़ाबाद

मिश्रीलाल वर्मा
प्रबन्ध निदेशक

हेमकुञ्ज, 11/24/1-ए,
शृंगारहाट, अयोध्या-224123
दिनांक : 28.03.2016

मंगल-कामना

माता-पिता, परिजनों, गुरुजनों एवं सुहृज्जनों के आशीर्वाद, प्रेरणा, प्रोत्साहन एवं सहकार से विद्यार्थी-जीवन में ही शिक्षा-संस्कृति, मानवीय मूल्यों एवं विद्योन्नयन के प्रति चेतना में समर्पण-भावना का उन्मेष हो गया था। विज्ञान-वर्ग में स्नातक-स्तर तक की शिक्षा ग्रहण कर लेने के उपरान्त आगे की कक्षा-शिक्षा में अग्रसर होने की अनुकूलता न देखकर मैं शिक्षा-विद्या के प्रसार-प्रकाश के अध्यवसाय में प्रवृत्त हो गया। वही सत्संकल्प भवदीय प्रकाशन के रूप में मूर्त्तिमान् हुआ, जिसे अवध विश्वविद्यालय, गोरखपुर विश्वविद्यालय, पूर्वांचल विश्वविद्यालय सहित व्यापक शिक्षा-क्षेत्र के गुरुजनों, स्नेही-सहयोगी जनों एवं विशेषतः विद्यार्थि-वर्ग का हार्दिक सहयोग- सद्भाव-सहकार अपेक्षा से कहीं अधिक मात्रा में प्राप्त हुआ।

तब, अन्तश्चेतना में अन्तर्व्याप्त विद्या-विभास भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स के रूप में साकारोन्मुख होने लगा। अनुक्रम में, अगस्त, 2010 में संस्थान का शिलान्यास किया गया और अगस्त, 2011 में प्रथम सत्र का समारम्भ हो गया। विद्या एवं शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी आदरणीय गुरुजनों, शिक्षाव्रती शिक्षकों तथा विद्यानुरागी विद्यार्थियों के सहयोग-समायोग से संस्थान दिनानुदिन अग्रसर होता चल रहा है।

आज-दिन संस्थान का सुनाम अवध विश्वविद्यालय-परिक्षेत्र में अग्रणी विद्यापीठ के रूप में सुख्यात हो रहा है। तमाम प्रबुद्ध, सम्भ्रान्त एवं शिक्षा के प्रति जागरूक विविध-वर्गीय नागरिक-गण संस्थान के प्रति प्रोत्साहनपूर्ण आत्मीय सद्भाव रखते हैं। प्रबन्धन-संचालन-प्रशासन-शिक्षण-प्रशिक्षण से जुड़े समस्त सहानुभाव पूर्ण तत्परता से संस्थान को अग्रसर बनाने में दत्तचित्त हैं। हमें हार्दिक प्रसन्नता है कि संस्थान में अध्ययन-रत तमाम छात्र-छात्राएँ विनीत, अनुशासित एवं विद्यानुराग से आपूरित हैं।

हमारी मङ्गल-कामना है कि संस्थान में शिक्षण-प्रशिक्षण-रत विद्यार्थी आगे चलकर अपने जीवन में सफलकाम बनें। अध्यापक-गण से हमारी हार्दिक अपेक्षा है कि वे इसी प्रकार पूरे मनोयोग से विद्यादान में निरत रहें।—'विद्यादानं महादानम्!' साथ ही, अनुरोध है कि विद्या-विभूषित आदरणीय गुरुजन, विविध क्षेत्रों में अग्रणी सुधी-समाजसेवी महानुभाव एवं समस्त आत्मीय अभिभावक-वृन्द इसी प्रकार संस्थान को अपना सद्भाव एवं सहयोग प्रदान करते रहें— जिससे संस्थान और अधिक प्रवर्धमान हो सके और हम आपकी और अधिक शुभ सारस्वत सेवा करने में सफल-समर्थ सिद्ध हो सकें। सर्वं भवतु मङ्गलम्—

इसी शुभाशा के साथ :

(मिश्रीलाल वर्मा)
आप सबका :

संस्थान के चेयरमैन, महानिदेशक, संस्थापक प्रबन्ध निदेशक, सचिव

प्रबन्धन विभाग के विद्वत डायरेक्टर/प्राध्यापकगण

फार्मेसी विभाग के प्राचार्य एवं प्रवक्तागण

शिक्षक प्रशिक्षण विभाग के प्रवक्तागण

अनुक्रम

1.	भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स : स्थापना एवं विकास	डॉ. अवधेश कुमार वर्मा	3
2.	Annual Rep. : Dep. of Pharmaceutical Sciences	Dr. Sanjay Kumar Kushwaha	5
3.	Annual Rep. : Dep. of Mang. & Comp. Sci.	Dr. Shishir Pandey	7
4.	वार्षिक रिपोर्ट : शिक्षक-प्रशिक्षण विभाग	डॉ० दयाशंकर वर्मा	10
5.	वार्षिक रिपोर्ट : क्रीड़ा समारोह	डॉ० दयाशंकर वर्मा	11
6.	Use of Bhavdiya ERP & Web-based online Portal	Atul Srivastava	12
7.	समाचार पत्रों में भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स (BGI)		13

प्रबन्धन-अनुभाग

8.	विद्या मंदिर धाम (कविता)	अतुल सिंह	14
9.	Trust	Sumit Srivastava	15
10.	आत्मविश्वास सफलता का आधार	रमेश वर्मा	16
11.	शिक्षा की दिशा	आर. ए. मिश्र	17
12.	जिन्दगी में आया दु:खों का शै (कविता)	शालू तिवारी	18
13.	मेरे छत पर तिरंगा रहने दो (कविता)	रजीवुल्लाह रायीन	19
14.	प्रेरणा	अमरेन्द्र वर्मा	19
15.	हमारी मातृभूमि (कविता)	कुशमेश मिश्रा	20
16.	Which is better	Avaneesh Patel	20
17.	मेरे पापा (कविता)	ज्योति सिंह	21
18.	बस इक कदम औ (कविता)	मुकेशकुमार पाण्डेय	22
19.	भगवान औ	निधि वर्मा	23
20.	सफलता (कविता)	अनुज रावत	23
21.	Managing Business	Kshitij Agrawal	24
22.	Ten Secrets of Success	Avaneesh Patel	24
23.	My Iron Mother (कविता)	Nidhi Verma	25
24.	What is Training	Afsana Bano	25

फार्मेसी-अनुभाग

25.	दहेज प्रथा	अनुज सिंह	26
26.	चुटकुला	राहुल कुमार गुप्त	27
27.	Fun Facts About Bones	Jagriti Gautam	27
28.	स्वच्छ रहकर करें 10 रोगों की सफाई	प्रभुनाथ चौ	28
29.	दहेज	अमरेन्द्र कुमार प्रजापति	29
30.	लिमका औ (कविता)	मो. आरिफ खान	30

31.	**स्वीकार करो** (कविता)	अमित कुमार पाल	30
35.	**Anemia**	Arun Pandey	31
36.	**Pharmaclogical Terms**	Suman Nishad	31
37.	**स्वदेश प्रेम** (कविता)	श्रवणकुमार	32
38.	**कामयाबी** (कविता)	शालिनी गोस्वामी	32
39.	**सच्चाई की जीत** (कविता)	सद्दाम हुसै	32
40.	**नेता जी की कहानी** (कविता)	सद्दाम हुसै	33
41.	**चमन के फूल** (कविता)	अब्दुल अजीज अहमद	33
42.	**The Weavers, Poem**	Ranjeet Patel	34
43.	**वो पिता होता है** (कविता)	वृजकिशोरी	35
44.	**सबसे बड़ा धन** (कविता)	प्रतिमा	35

शिक्षक-प्रशिक्षण-अनुभाग

48.	**आधुनिक कला : एक परिचय**	पंकज कुमार यादव	36
48.	**प्रिय छात्रों को मेरा पत्र**	डॉ. सीमा विश्वकर्मा	37
52.	**साबुनों की दुनियाँ**	पूनम मौ	38
33.	**अवसर को दास बना लेना ही सफलता है**	अनुपम वर्मा	39
47.	**प्यारा सा बचपन** (कविता)	स्तुति वर्मा	39
45.	**पेशावर में घटी दर्द विदारक घटना ...** (कविता)	राहुल पाण्डेय	40
49.	**दहेज लोभियों को समर्पित**	ममता देवी	40
50.	**काश! मै** (कविता)	सना परवीन	41
51.	**मै** (कविता)	रमेशकुमार	41
54.	**आजादी के 68 वर्षों में क्या खोया, क्या पाया?**	अंशिका सिंह	42
56.	**वर्तमान युवा-शक्ति**	प्रगति बाजपेयी	44
57.	**सफलता के सोलह सोपान**	रुचि दूबे	46
58.	**क्या कहना है** (कविता)	रोशनी सोनी	47
55.	**बूझो तो जाने** (कविता)	प्रियंका	48
59.	**किसकी आँख में क्या है**	किरन वर्मा	48

❖❖❖

स्मारिका में प्रकाशित लेख, कविता लेखकों के अपने विचार है उसमें किसी तरह की त्रुटि या मतभेद है

भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स : स्थापना एवं विकास

[प्रारम्भ से आज तक]

—डॉ. अवधेश कुमार वर्मा
(सचिव)

आदरणीय महानुभाव !

ज्ञान औ
युग से हमारे देश में चली आ रही है
संवहन में यथाशक्ति अपनी भूमिका निभाना हर भारतवासी का परम कर्त्तव्य है
वस्तुत: समाज-सेवा की भावना है
संयुत अभ्युदय की प्रेरणा देती रहती है
विचार औ
सदृश मनस्वियों तथा सुजनों के अनुग्रह से विकसित होता है

तदनुरूप इन्स्टीट्यूशन की स्थापना के स्वप्न को साकार करने के लिए 5 जुलाई 2010 को इस भूखण्ड (जिसका क्षेत्रफल लगभग 8 एकड़ का है
कराई गई। इसके पश्चात् 21 अगस्त 2010 को भूमि पूजन का कार्य सम्पन्न करके शै
विभिन्न कोर्सों की मान्यता के लिए फाइलिंग का भी कार्य समानान्तर डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फै B.B.A., B.C.A. कोर्स तथा M.B.A. कोर्स हेतु AICTE दिल्ली में आवेदन किया गया। आदरणीय चेयरमै
वर्मा के कुशल निर्देशन एवं अथक प्रयास के परिणामस्वरूप एक ही वर्ष के अन्दर मंगलवार, 16 अगस्त, 2011 को संस्थान के प्रथम शै
उद्घाटन परमादरणीय डॉ0 रामशङ्कर त्रिपाठी, फै
की अध्यक्षता में, प्रोफेसर अवध राम, पूर्व कुलपति महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ वाराणसी द्वारा डॉ. रामअँजोर सिंह, पूर्व प्राचार्य, रामनगर, पी. जी. कॉलेज, बाराबंकी तथा श्रीमती डॉ. राधारानी सिंह, बाराबंकी व अयोध्या- फै
विद्वानों की उपस्थिति के साथ-साथ स्थानीय प्रबुद्ध वर्ग व सम्मानित जनता की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ था।

तदुपरान्त बी. टी. सी. एवं डी. फार्म. कोर्सेज के संचालन हेतु प्रयास किया गया। फलस्वरूप अगस्त 2013 से बी. टी. सी. की कक्षाओं का संचालन प्रारम्भ हो गया। इसी शै दनांक 24. 8.2013 को डी. फार्मा. की मान्यता प्राप्त होना संस्थान के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि साबित हुई, जिसकी कक्षाएँ सितम्बर 2013 से प्रारम्भ हुईं।

इसी कड़ी में B.T.C. पाठ्यक्रम के संचालन हेतु संस्थान की नयी शाखा ग्राम बरई कलाॅ जो कि इस कै
इंस्टीट्यूट के नाम से स्थापित हुई है
2015-16 से NCTE द्वारा बी.टी.सी. पाठ्यक्रम की मान्यता प्राप्त हो चुकी है
प्रबन्धक निदेशक, चेयरमै
प्रो. एम. आर. वर्मा जी के निर्देशन में बी.टी.सी. के प्रत्येक पाठ्यक्रम में अतिरिक्त यूनिट के लिए NCTE में आवेदन किया गया था जो कि आपके कुशल निर्देशन में विगत 3 मार्च 2016 को पूर्ण हो गया है
बी.टी.सी. पाठ्यक्रम की प्रवेश क्षमता इस ग्रामीण क्षेत्र की अपेक्षित माँग के अनुरूप हो चुकी है

कुशल निर्देशन एवं प्रयास तथा टीम वर्क का प्रतिफल है
ग्रामीण क्षेत्र में भी MBA की 60 सीटों पर प्रवेश समय से पहले हो जाता है
अन्य जिलों से भी बच्चे मै
है
प्लेसमेण्ट सेल का गठन किया है
पाण्डेय (असिस्टेन्ट डायरेक्टर) छात्रों को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनियों में Campus Selection कराने हेतु प्रतिबद्ध है

2015-2016 शै
जनपद के नब्बे इण्टर कालेजों में बच्चों के अन्दर कम्प्टीशन की भावना जागृत करने हेतु क्विज कम्प्टीशन करा कर प्रत्येक विद्यालय के प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त कर चुके छात्रों को इंस्टीट्यूशन कै
क्रमशः 20 दिसम्बर 2015 एवं 3 जनवरी 2016 को पुरस्कृत किया गया तथा उसी दिन इन विजयी छात्रों द्वारा मेगा क्विज कम्प्टीशन का भी आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र/छात्राओं के साथ-साथ उन कालेजों के प्रधानाचार्य गण को पुरस्कृत व सम्मानित किया जाना है

संस्थान के सभी संकाय सदस्यों व छात्रों के प्रयास से भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ने शिक्षा के अलावा अन्य सामाजिक जिम्मेदारियों का भी भली-भाँति निर्वहन किया है
से ही समाज का विकास हो सकता है
है
ग्रामीणों में कम्बल-वितरण, निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन कर दवा-वितरण एवं प्राकृतिक आपदा से पीड़ित व्यक्ति को आर्थिक राहत प्रदान करना आदि कार्य भी समय-समय पर किया जा रहा है

प्रबन्धतन्त्र द्वारा **स्टूडेन्ट वेलफेयर एकाउण्ट** की व्यवस्था की गई है
दण्ड द्वारा एकत्र राशि को सुरक्षित रखा जाता है

जरूरतमन्द छात्र एवं छात्राओं को विभिन्न मदों जै
किया जाता है
के जरूरतमद छात्रों की मदद संस्थान द्वारा की गयी है
इसी के तहत गरीब/अनुसूचित छात्रों हेतु संस्थान द्वारा निःशुल्क हास्टल की व्यवस्था की गयी है
50 छात्र रहकर अपनी शिक्षा ग्रहण कर रहे है

संस्थान की यह भूमि, जिसका क्षेत्रफल 8 एकड़ में फै
प्रबन्ध-निदेशक के कुशल निर्देशन में एवं तकनीकी पद्धति के द्वारा 90% क्षेत्रफल की जमीन को हरा-भरा बना दिया गया है
विकसित कर हरियाली का स्वरूप प्रदान करने का पूरा-पूरा प्रयास चल रहा है
यह भी मानना है
जनता का तथा इस विद्वत्-समाज का दिशा- निर्देश व आशीर्वाद मिलता रहा, तो आगामी समय में प्राकृतिक हरियाली के साथ-साथ शै
विकसित करने का इन्स्टीट्यूशन का प्रयास सफल हो जायेगा। संस्थान द्वारा इस वर्ष 100 छात्रों हेतु हास्टल जो कि निर्माणाधीन है
को यहाँ रहकर शिक्षा ग्रहण करने में कठिनाई न हो। संस्थान के प्रबन्ध तंत्र द्वारा अभी इस शै
क्रम में बी.ए., बी.एस-सी., बी. काम., बी.एस-सी. (कृषि), बी.एस-सी. (गृहविज्ञान), बी. लिब., बी.पी. ई. तथा पॉलिटेक्निक की कक्षाओं का संचालन प्रस्तावित है
सदस्यों का इसी तरह से सहयोग एवं प्रेरणा मिलता रहेगा तो निश्चित ही भविष्य में संस्थान में उपरोक्त पाठ्यक्रम संचालित होंगे, जो कि इस ग्रामीण क्षेत्र के विकास में एक मानक तय करेगी।

इसी के साथ आपके सहयोग एवं आशीर्वाद की कामना करते हुए!

धन्यवाद!!

❑

Annual Report
Department of Pharmaceutical Sciences

–Dr. Sanjay Kumar Kushwaha
PRINCIPAL

"I deem it my privilege to place a brief report of the activities of the academic year 2013-14 and 2014-15."

Bhavdiya Institute of Pharmaceutical Sciences and Research (BIPSR) was established in 2013. BIPSR is Affiliated from Pharmacy Council of India **(PCI)** and Board of Technical Education (BTE) and approved from All India Council for Technical Education **(AICTE)** with intake of 60 seats. BIPSR has emerged as a pharmacy institution with a promising institution of the region, providing value added, quality education in pharmacy, and an institution striding towards excellence, with the vision ***"To establish an excellent, value-based higher educational hub to meet the challenges of global competitiveness"***, several steps are being undertaken for multi-dimensional growth of the students and institution, contributing in turn towards the growth of a healthy and happy society.

Students

In the current academic session, we have totally 120 students in the D. Pharm. Regular classes were conducted without compromising with the standard of teaching. All academic measures were sincerely followed to create an ambience for teaching and learning in the BIPSR. Emphasis was given to experimental/practical learning. Apart from this, presentation/class test have also been organized for exposing the students to become confident. Strict discipline is maintained in the BIPSR to provide safety, security, and ambience for learning. A balance between curricular and extracurricular activities is very well maintained in the college to prevent any student entering into a state of boredom or to become a bookworm.

Academic Excellency Achievers : The students of BIPSR were performed time to time and proved themselves outstanding.

In 2013-14 Ms Jagriti Gautam achieved 75.91% and Ms Suman Nishad achieved 74.52% and in 2014-15 Ms Sonam Singh achieved 80.00% and Ms Astha Yadav achieved 77.7% in D Pharm. first year. In D. Pharm. final year 2014-15 Ms Jagriti Gautam achieved 81.71% become topper of and Ms Suman Nishad achieved 75.33%.

Staff

We have 08 full time teaching faculty members and 19 non-teaching staff as per PCI/ AICTE norms.

Library

We have totally 1507 Volumes, 365 titles and animal experimental software CDs, in our library. We have subscribed 06 Journals, three general magazines and two newspapers in the library.

Extra-curricular activities

We firmly believe that all round

development takes place only if a student participates in various extra-curricular activities. Therefore, a lot of emphasis and importance has been given to it. Sports activities, such as Cricket, Volley ball, Badminton, Carom, Chess, and various athletic events including field and tract, were organized. There were nearly nine events in cultural activities were conducted during the session with active participation of the staff and students.

The following extra-curricular activities were organized in the college for the benefit of students and staff.

Celebration of World Pharmacist Day 2014

The World Pharmacists Day was celebrated on 25th September 2014, at the BIPSR campus. ***Mr. N K Swami,*** Asst. Commissioner (Drugs), Faizabad Mandal presided in the capacity of Chief Guest for the program in the presence of special guests ***Mr. Udaybhan Singh,*** Drug Inspector, Faizabad and ***Mr. Avi Anand,*** President, Faizabad Chemist and Druggist Association, ***Dr. S. K. Ghataury,*** President for the program, The students and faculty members took the ***Pharmacist's Oath*** collectively to remind their role towards the society and health care system. Banners and posters, portraying various aspects of pharmacy and health care issues, were prepared and displayed by the students.

Free drug distribution and health check-up camp to the pilgrims at Ayodhya

Three days free drug distribution and health check-up camp was organized on November 2014, during the ***Chaudah Koshi & Panch Koshi Parikrama*** fair in Ayodhya, the pilgrims done parikrama were availing the camp facilities, like First Aid by injured pilgrims, health check-up for hypertensive and diabetic pilgrims as well as medicine for Pain, Fatigue, Fever, Vertigo, Eye Infection, Nausea, Vomiting & Diarrhea were dispensed to the pilgrims. In the camp staff and student of pharmacy department were actively participated and proved their role as a pharmacist for the wellness of mankind. General medicines for pilgrims were provided by the ***Faizabad Chemist and Druggist Association.***

Industrial Visit

An industrial visit of the students was done on 27th March 2015 at Amrit Bottlers (Coca-cola) Faizabad for the knowledge of working/ manufacturing of products at commercial level to the students.

Celebration of World Pharmacist Day 2015

We celebrated The World Pharmacists Day on 25th September 2015, with the theme ***"Pharmacists: Your partners in health".*** A poster session, quiz competition and various cultural activities were organized.

Free health checkup camp at Faizabad

A free health checkup camp was organized in association with ***Faizabad Chemist and Druggist Association*** contributed for diagnostic kits, pharmaceutical aids and other accessories. The students were participated actively and contributed their knowledge and efficiency during the camp.

Conclusion

BIPSR is growing and marching ahead with all its might, definitely with the right spirit and in the right direction. This is possible because BIPSR family believes and follows the institutional Core Values namely Discipline, Determination, Dedication, Integrity & Trust, Interest & Involvement. Students are oriented here towards conspicuous value additions, namely, the quest for knowledge, the desire for innovation, the approach for total personality development and the pride in being a member of BIPSR family. The institute has rightly envisioned becoming a role model in Pharmacy education and the most preferred choice of students, parents, faculty and industry.

❑

Annual Report

Department of Management & Computer Science

–Dr. Shishir Pandey

Bhavdiya Group of Institutions based at Sewar, Sohawal, Faizabad, was established in 2010 and first session started in 2011-12 with the following courses **M.B.A., B.B.A. and B.C.A.** with the vision of providing professional education in rural area and to people belong to each part of the society.

Master of Business Administration

MBA is running under **Bhavdiya Institute of Business Management (BIBM)** affiliated to **A.P.J. Abdul Kalam Technical University, Lucknow (AKTU) CODE: 743** and providing all Specialization offered by the university i.e. Finance, Marketing, Human Resources, Information Technology and International Business. The course is approved by **All India Council of Technical Education (AICTE).** The institute is having the Intake of 60 seats. Bhavdiya Institute of Business Management is one of the leading institutes of Faizabad and nearby Districts. Any graduate, with 50% marks (for SC/ST 45%) can get admission in MBA. We provide free education to SC/ST students. Institute has Teaching and Non-teaching staff as per norms and having a well equipped computer lab and Library with sufficient number of books and journals.

A separate Training and Placement cell works to grooming the quality of our students to meet out the cut throat competition and provide them job opportunities during the course. Our students have been placed at higher position in different companies.

We always encourage and recognize our topper students for their success.

Toppers of the last two years our students

- 2013-14 Anchal Nigam 75% working as Assistant Professor in Jhunjhunwala Business School, Faizabad
- 2014-15 Manoj Kumar Pandey 69% working as Assistant Manager, Mahindra Automotive, New Delhi

Bachelor of Business Administration (BBA) and **Bachelor of Computer Application (BCA)** are under graduation degree courses running in **Bhavdiya Educational Institute** (RMLAU CODE-275). The institute is affiliated to Dr. Ram Manohar Lohia Awadh University, Faizabad, U.P. Both the courses are approved by University Grant Commission, New Delhi.

Bachelor of Business Administration

BBA is a specialized course for Business Management in which student of intermediate having 45% marks (for SC/ST 40%) from any discipline can get admission. Most of our students prefer MBA course after BBA, though we provide them the job opportunities. Some of our

students are working in renowned companies.

The toppers of BBA last two years :

- 2013-14 Pooja Pandey 75.55%
- 2014-15 Jyoti Singh 72.65%

Bachelor of Computer Application

To make aware with computer and software technology, we provide **BCA** course. We produce software developers through BCA and most of our students are working in different Software companies. A separate training session is also provided to the students to improve and aware with new technologies of software development. In BCA, student of intermediate with Mathematics having 45% marks (for SC/ST 40%) can get admission.

The toppers of BCA last two years :

- 2012-13 Gaurav Kumar 76.80%
- **2013-14 ShiwaniRastogi (University Gold Medalist) 78.97%**

Shivani Rastogi is the first student of our institute who topped the university and given us moment of pride.

Extra Curricular Events :

- Apart from teaching, to enhance the quality and personality we organize weekly activity classes in which we teach our students with different activities. Time to time we invite the experts as guest lecture, skill development programs; organize workshop, industrial visit, debate competition etc. for the development of our students as well as faculty members.
- On 20 February 2014, we organized Faculty Development Program **Effective Teaching pedagogy and enhance knowledge and learning** the expert of that program was Dr. Sanjay Bharti, Professor, Apolo Institute of Technology, Kanpur. He taught the faculty members to equalize their teaching pedagogy with the environment and overcome from the stress and pressure.
- Students Development Program was organized on 21 February 2014, in which students was taught how to achieve success with this competitive era. In this program they were instructed how to improve their
- During the same period a **Team Building Program** was organized in which students were encouraged for team work and systematic implementation of skills in team. They were also given information about utilizing limited resources for achieving goal.
- To make aware with computer use in practical problems we organized **Two days Workshop on Financial Modeling through MS Excel** on 14-15, March 2014. All the students of MBA, BBA and BCA has participated and benefitted with that program. During the program, all students had separate computer and they were given study material to work simultaneously with the instructions.
- To provide competitive environment we conducted **INTER COLLEGE Paper Presentation on Cloud Computing** for BBA and BCA on 25th April 2015, in which students of different colleges were participated. Mr. Reetesh Manucha, Managing Director, *JP FINANCIAL DEVELOPMENT CORP (ASEA)* was the subject expert of this program. He gave important information about the topic and suggested us to introduce new topics in such kind of programs.

- To build practical approach of working environment, institute provide industrial visit to nearby industrial units such as **Yash Papers Ltd**, Amrit Bottlers Pvt. Ltd "(COCA COLA) Faizabad etc. Students get the information about process from these units according to their specialization and they have to prepare a project on these visits. These projects are presented by students in seminar organized after every industrial visit.
- To explore the inherent quality of students, institute organizes different competitions i.e. Rangoli Competition, Writing Competition, Essay competition etc. These competitions improve the knowledge and talent of the students and develop their confidence. We conducted Rangoli competition to improve their creativity. Our aim with these events is also to encourage shy and introvert students to participate in these events and develop their personality.
- To introduce new students and their integrity, institute organizes fresher's party and pay regard to the seniors fare well party. Students present their talent in the form of different cultural activities and their talent make one of them Mr. and Miss Fresher and Mr. and Miss Farewell.
- Students are given some topics for presentation e.g. Personality Perception and Grievance handling. This activity improves their research ability to make a presentation.

Summary :

The Institute is performing well from its establishment. We provide professional education at minimum fee in Faizabad and surrounding districts. On the basis of good performance and family background the management committee of this institute provides financial assistance to poor and talented students. Institute has provided free hostel facility to financially weak students.

Institute fulfils all the norms of university and government body regularly. No compromise is made for students' education and their development. That is why we organized several programs and events. Institute has its own ERP system to promote e-governance. Through this system each member of the institute, whether he is student or employee has his own portal. All the academic activity and information are recorded in the portal. This system makes the monitoring easier.

During the period, one of our students has topped the University, and other students have also scored good marks in their exams.

Most of our students have been provided placement at higher position in different companies. Faculty members have also participated in different seminars, conferences and work shop during this period. For these types of programs faculty members are provided special leave.

We hope that coming time will offer us more chance to grow and success.

❑

वार्षिक रिपोर्ट : शिक्षक-प्रशिक्षण विभाग

–डॉ० दयाशंकर वर्मा
उप प्राचार्य

भवदीय हेमराज टीचर्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (B.T.C.)का अनुमोदन : राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् जयपुर सम्बद्धता : एस.सी.ई.आर. टी. इलाहाबाद से प्राप्त हुई है इसका प्रवेश प्रदेश शासन/एस.सी.ई.आर.टी. के नियमानुसार किया जाता है

भवदीय एजूकेशनल इंस्टीट्यूट (B.Ed) का अनुमोदन राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् जयपुर एवं सम्बद्धता डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फै
स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है

इस संस्थान में नियमित कक्षाएँ 10 अगस्त, 2013 से प्रारम्भ हुईं तथा विभाग द्वारा समय-समय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

संस्थान के बी.एड. एवं बी.टी.सी. विभाग में गत वर्षों का शतप्रतिशत शै
में संस्थान की 2014-15 की बी.एड्. छात्रा श्रीमती रश्मि सिंह का चयन उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित अवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा 2013 में आपूर्ति निरीक्षक के पद पर हुआ है
द्वारा समय-समय पर शै
सामाजिक कार्यों में सहभागिता रहती है

इस संस्थान में B.Ed/BTC विभाग द्वारा छात्रों ने मिलकर होली मिलन समारोह का आयोजन किया, जिसमें छात्रों ने काफी उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। तत्पश्चात् छात्रों ने मिलकर आपस में रंग-गुलाल की होली खेली व मिठाइयाँ बाँटी। इस समारोह में प्रबन्धतंत्र के सभी सदस्य मौ

जनवरी, 2016 में BTC के छात्रों ने फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया था, जिसमें 2013 बै BTC के छात्रों द्वारा नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें विभाग के प्राचार्य, प्रवक्तागण व संस्थान का प्रबन्धतंत्र भी मौ BTC के छात्रों में मिस फ्रेशर बीना यादव एवं मिस्टर फ्रेशर वेंकटेश तिवारी को चुना गया, जिन्हें 2013 के BTC के छात्रों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

रंगोली एवं मेंहदी प्रतियोगिता में नवम्बर 2015 में विभाग ने रंगोली एवं मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें विभाग के सभी छात्र एवं छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। छात्राओं ने अध्यापिकाओं को मेंहदी लगाकर प्रतियोगिता की शुरुआत की तत्पश्चात् छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रकार की रंगोली बनाकर उक्त प्रतियोगिता में भाग लिया। इस मेंहदी प्रतियोगिता में पूनम मौ BTC प्रथम सेमेस्टर) को प्रथम स्थान तथा प्रियंका (BTC द्वितीय सेमेस्टर) को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। रंगोली में अर्चना, सना परवीन, वन्दना तथा ममता देवी ग्रुप को प्रथम स्थान व रमेश यादव, अवधेश वर्मा, घनश्याम तथा राहुल पाण्डेय को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

माह अप्रै B.Ed के छात्र/छात्राओं द्वारा चार दिवसीय शै
मसूरी का किया गया, जिसमें B.Ed के छात्र/छात्राएँ व विभाग के प्रवक्ता भी शामिल थे। यह शै
सर्वप्रथम कालेज से चलकर हरिद्वार पहुँचा, जहाँ पर छात्रों ने एक दिन में शान्तिकुंज, हरि की पै
दर्शन किया। तत्पश्चात् छात्रों का भ्रमण ऋषिकेश होता हुआ नीलकण्ठ तथा भगवान शंकरजी का दर्शन कर, देहरादून होते हुए मसूरी गया, जहाँ पर छात्र/छात्राओं को विभिन्न दर्शनीय स्थलों की जानकारी हुई एवं उन्होंने शै
भ्रमण का भरपूर लुत्फ उठाया।

विदाई समारोह में अगस्त 2015 बै B.T.C. के छात्र/छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर 2014 बै B.Ed छात्र/छात्राओं को विदाई दी, जिसमें छात्र/छात्राओं ने अपने-अपने अनुभवों व प्रगति को लेकर आपस में विचार-विमर्श भी किया। समारोह में विभाग के प्रवक्तागण व संस्थान के प्रबन्ध निदेशक श्री मिश्रीलाल वर्मा, अध्यक्ष डॉ. पी.एन. वर्मा, महानिदेशक प्रो. मंशाराम वर्मा, सचिव डॉ. अवधेश कुमार वर्मा आदि मौ
के प्रबन्ध निदेशक महोदय ने छात्र/छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ❑

वार्षिक रिपोर्ट : क्रीड़ा समारोह

–डॉ० दयाशंकर वर्मा
क्रीड़ा संयोजक

संस्थान में 28 फरवरी व 1 मार्च, 2015 को वार्षिक खेल समारोह का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। प्रांगण में इस आयोजन के अन्तर्गत क्रिकेट, वालीबाल, कबड्डी सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। खेल प्रशिक्षक डॉ. दयाशंकर वर्मा के निर्देशन में इस प्रतियोगिता का उद्घाटन **उत्तर प्रदेश सरकार के खेल राज्यमंत्री माननीय रामकरन आर्य जी ने** माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। वालीबाल प्रतियोगिता का फाइनल मै
ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट एवं भवदीय इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मै
टीचर्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट विजेता एवं भवदीय इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मै
में दीपक वर्मा (कै
मंसूर आलम आदि शामिल थे। कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल मै
मै
साइसेंज एण्ड रिसर्च के बीच हुआ जिसमें भवदीय इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मै

गोला फेंक में बी. टी. सी. के छात्र बृजेन्द्र सिंह को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ तथा चक्का फेंक में बी. टी. सी. के छात्र विवेक सिंह को प्रथम स्थान प्राप्त होने का गौ
एजुकेशनल इंस्टीट्यूट की छात्रा पूनम रावत को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ तथा 100 मी. छात्रों की दौ
इंस्टीट्यूट फार्मास्युटिकल साइसेंज एण्ड रिसर्च के मो. आरिफ को प्रथम स्थान प्राप्त होने का गौ
म्यूजिकल चेयर में डी. फार्म. की आस्था यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा बै
की छात्रा सुमन निषाद ने एक रोमाचंक मुकाबले में बी. टी. सी. की छात्रा पूजा मौ
एवं रंगोली प्रतियोगिता में भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के सभी छात्र एवं छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पुरस्कार एवं समापन समारोह के मुख्य अतिथि **श्री विशाल चौ I.A.S.) मण्डलायुक्त, फै
एवं डॉ० वीरेन्द्र त्रिपाठी जी (प्रधानाचार्य एस. एस. वी. इण्टर कॉलेज, फै
प्रबन्ध निदेशक श्री मिश्रीलाल वर्मा जी** ने विजेता टीमों को पुरस्कृत कर छात्रों का उत्साहवर्द्धन किया। मुख्य अतिथि ने वर्तमान भौ
साथ ही साथ क्रीड़ा के महत्त्व को समझाते हुए स्प्रिट, स्किल औ
संस्थान के अध्यक्ष इं. पी. एन. वर्मा जी ने मुख्य अतिथि को स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। संस्थान के महानिदेशक प्रो. मंशाराम वर्मा जी ने संस्थान में खेलकूद के स्तर को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया तथा संस्थान के सचिव डॉ. अवधेश कुमार वर्मा जी ने क्रीड़ा प्रतियोगिता में संस्थान के प्राध्यापकों, तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के निष्ठापूर्वक सहयोग पर आभार व्यक्त किया। संस्थान के प्रति संयोजक के रूप में आभार ज्ञापित करना मै
प्राचार्य डॉ. संजय कुशवाहा (BIPSR) एवं सहायक निदेशक डॉ. शिशिर पाण्डेय (BIBM) के प्रति आभारी हूँ तथा इस क्रीड़ा प्रतियोगिता को कुशलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए संस्थान के प्रबन्धतन्त्र को विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहता हूँ।

❑

USE of Bhavdiya ERP & Web-Based Online Portal

–Atul Srivastava
Manager Admin.

आज के युग में ज्ञान-विज्ञान एवं टेक्नोलाजी में अभूतपूर्व प्रगति हुई है
कम्प्यूटर क्रान्ति के ज्ञान के आकाश का बहु-आयामी विस्तार कर दिया है
अध्येताओं, छात्रों, अभिभावकों सबको इस ज्ञान-प्रकाश से लाभ दिया है

इस प्रविधि से हम अपने संस्थान में भी **Web-Based Online Portal** के माध्यम से अध्यापन प्रक्रम एवं विभिन्न क्रियाकलाप के विषय में संक्षेपतः कुछ सूचनायें प्रस्तुत कर रहे है
प्रकार की सूचनाये पोर्टल एवं मोबाइल पर मै

- Student Detail (Student full Information) : संस्थान में पढ़ने वाले सभी छात्र/छात्राओं की संक्षिप्त सूचना।
- Courses/Class Details (Subject with their Teacher's Name) : संस्थान में पढ़ाने वाले सभी अध्यापको की विषयवार सूचना।
- Syllabus (All Subjects) : संस्थान में सभी कोर्सो के पाठ्यक्रम का वार्षिक विवरण।
- Attendance Detail : संस्थान में पढ़ने वाले सभी छात्र/छात्राओं के अभिभावकों को पोर्टल के माध्यम से छात्र की उपस्थिति/अनुपस्थिति का विवरण।
- Student Performance Report : संस्थान में अध्यापन करने वाले छात्र/छात्राओं के शै
स्थिति की नवीनतम् सूचना।
- Library Book Status : संस्थान के पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों/जर्नल्स/इन्साइकलोपीडिया की स्थिति की जानकारी।
- Examination Schedule : छात्र/छात्राओं एवं अभिभावको के मोबाइल पर विषयवार एवं परीक्षा की तिथि के दो दिन पूर्व मै ERP द्वारा स्वतः भेजा जायेगा।
- Student's Daily Home Work Diary : छात्र/छात्राओं की दै
- College Event List : संस्थान में होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी एवं मोबाइल पर मै
- Teacher's Note (Receiver teacher's note and reply section) : संस्थान के छात्र/छात्राओं द्वारा किसी भी प्रश्न के उत्तर की जानकारी पोर्टल पर ऑनलाइन अपने अध्यापकों से ली जा सकती है
- Holiday List : संस्थान में होने वाली अवकाश सम्बन्धी सूचना पोर्टल एवं मोबाइल पर मै
- Queries from Parent : अभिभावको को किसी भी प्रकार की सूचना के लिये पोर्टल पर जाकर अपनी समस्या को पोस्ट करें औ

उपरोक्त ऑनलाइन सुविधा के द्वारा छात्रों एवं अभिभावकों को संस्थान की नवीनतम् सूचनाओं एवं छात्रों के क्रियाकलापों की जानकारी के लिये पोर्टल की वेबसाइट http://bhavdiyaportal.eduscol.in/ के माध्यम से सम्पर्क करके आधुनिक व्यवस्था का लाभ उठायें।

नोट : पोर्टल सम्बन्धी किसी भी असुविधा के लिये मोबाईल नम्बर पर 7703005304 पर किसी भी कार्यदिवस में प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे के बीच सम्पर्क करें तथा जिन छात्रों/अभिभावकों को पोर्टल का Login ID एवं पासवर्ड अभी तक नही प्राप्त हुआ है

❑❑

समाचार पत्रों में भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स (B.G.I.)

विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया

भवदीयं इंस्टीट्यूट ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

जाबाद। भवदीयं इंस्टीट्यूट आफ र्मास्युटिकल साइंसेस एण्ड रिसर्च एवं फैजाबाद केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में श्रद्धालुओं के लिये निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवा वितरण शिविर, परिक्रमा मार्ग में लगाया गया। जिसमें विभिन्न दर्द निवारक दवा वितरण, सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण एवं घाव व चोटों की मरम्मत फार्मेन्सी के व्याख्याताओं व छात्र-छात्राओं द्वारा किया गया। संस्था सचिव डा० अवधेश वर्मा, प्राचार्य डा० संजय कुशवाहा एवं एसोसिएशन अध्यक्ष अवि आनन्द ने बताया कि यह शिविर श्रद्धालुओं की सेवार्थ परिक्रमा दिनों तक चलेगा। और कहा कि इस शिविर मे छात्र छात्राओं ने श्रद्धालुओं एवं बुजुर्गों की सेवा भाव का संदेश दिया है।

पक्रिमा में कैम्प शिविर का आयोजन

फैजाबाद। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी चौदह कोसी परिक्रमा के परिक्रमार्थियों की सेवा के लिये एसबी सागर नेशनल इन्स्टीट्यूट आफ आर्ट एवं श्रीलक्ष्मी प्रिंटिंग प्रेस के तत्वाधान में कैम्प शिविर का आयोजन जनौरा स्थित गिरजा कुण्ड के पास किया गया। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में आये समाजसेवी व अवध कला संगम के सचिव शिव ... राम खेलावन प्रजापति ने

राष्ट्रीय सेवा योजना का लगा कैम्प

फैजाबाद। अयोध्यापुरी सेवा मण्डल के सहयोग से राजकीय पालीटेक्निक फैजाबाद के राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्रो द्वारा कैम्प लगाया गया। जिसमें दूर दूर से आये हुये सभी परिक्रमार्थियों को प्राथमिक चिकित्सा ... जलपान की ... एवं ठहरने की व्यवस्था करायी गयी।

राज्यपाल के हाथों से गोल्ड मेडल मिलने पर खुशी का इजहार करतीं छात्राएं • हिन्दुस्तान

मेडल पाकर चमके विद्यार्थियों के चेहरे

गोल्ड मेडल पाने वालों में मधुकर ..., सोमैयाह मोहम्मद हाशमी, रितिका ...स्तव, अनीता सिंह, नैन्सी ...स्तव, सोनिया सोत्रा, शिल्पी सिंह, ...ली सिंह, रिषिश्वर सिंह, निधि ...जा, शिवानी रस्तोगी, सतीश

भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन मे जिले के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया

फैजाबाद। शिक्षा जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाने वाला भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन में जिल के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को चयनित करके उनकी योग्यता के अनुसार उन्हे पुरस्कृत करने के लिये छात्र सामान्य ज्ञान प्रतिभा-खोज और क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जिले भर के ७५ इण्टर कॉलेजों के ४००० छात्र-छात्राओं नें भाग लिया , जिसमे चयनित छात्र-छात्राओ को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के संस्थापक व प्रबन्ध निदेशक श्री मिश्रीलाल वर्मा जी के द्वारा किया गया उन्होंने छात्र-छात्राओं को आर्शीवचन देते हुये कहा कि सभी छात्र-छात्राओं को टेक्नालॉजी शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिये जिससे उन्हें जल्द सरकारी सेवा व स्वतः रोजगार करने का अवसर मिल सके । संस्था के महानिदेशक प्रो० मंशा राम वर्मा जी ने संस्था का परिचय सभी प्रतिभागियो को दिया तथा उनके उज्जवल भविष्य के लिये महत्वपूर्ण सूचनाये प्रदान किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन नन्दनी अरोड़ा के द्वारा किया गया । । ७५ कॉलेजों में हर एक कॉलेजों के तीन बच्चे चयनित किये गये। प्रथम पुरस्कार पाने वाले छात्रों को २५० रूपये नगद तथा एक बड़ी डिक्शनरी,प्रतिभा सम्मान सर्टीफिकेट, द्वितीय पुरस्कार पाने वाले छात्र-छात्राओं को १५० रूपये नगद,छोटी डिक्शनरी,प्रतिभा सम्मान सर्टीफिकेट, और तृतीय पुरस्कार पाने वाले छात्र-छात्राओं को भी १५० रूपये नगद,छोटी डिक्शनरी,प्रतिभा सम्मान सर्टीफिकेट , दिया गया। यह पुरस्कार संस्था के प्रबंधक निदेशक श्री मिश्रीलाल वर्मा और सचिव अवधेश कुमार वर्मा के द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में संस्थान के कै० आर० एन० वर्मा, डॉ० शिशिर पाण्डेय , डॉ संजय कुशवाहा धनंजय सिंह सुमित श्रीवास्तव, एवं डॉ० दया शंकर वर्मा उपस्थित थे

शिविर में की निःशुल्क शुगर की जांच

फार्मासिस्ट दिवस पर बच्चों की प्रस्तुतियों ने बांधा समां

फैजाबाद (ब्यूरो)। भवदीय इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च, सीवार सोहावल फार्मेसी के छात्र-छात्राओं द्वारा विश्व फार्मासिस्ट दिवस का आयोजन किया गया संस्थान के प्राचार्य डॉ. संजय कुशवाहा ने फार्मेसी प्रोफेशन में अपार संभावनाओं और भविष्य बनाने के बारे में बताया।

इस अवसर पर विभिन्न छात्र/छात्राओं द्वारा भाषण, क्विज, तात्कालिक विषय पर प्रश्नोत्तरी नृत्य व गायन की प्रस्तुति दी गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ आस्था व शालिनी ने सरस्वती वंदना गीत गाकर किया। तत्पश्चात 'जैसी करनी वैसी भरनी' नाटक का मंचन प्रस्तुत किया गया। इसमें ममता (मां), मोहित (पिता, ड्रग इंसपेक्टर), संजीव रत्न (बेटा), हेमंत कुमार (डॉक्टर दिलीप यादव) फार्मासिस्ट और नौकर की भूमिका में अखिलेश दुबे ने वाहवाही लुटी। क्विज में मोहित वर्मा, रोहित यादव, किशन, अवनीश पटेल और मनीष ने बाजी मारी। 'देश मेरा रंगीला...' नृत्य कार्यक्रम में आस्था व सोनम ने कार्यक्रम बेहद रोचक बना बनाया। नृत्य में सोनम सिंह ने टॉप किया, वहीं चिट प्रश्नोत्तरी में ममता शर्मा, आस्था यादव, बजरंगी, विश्वजीत, सूर्यप्रकाश तिवारी व किशन यादव अव्वल रहे। सूरज रावत ने 'हर कदम पर कोई कातिल है...' गीत गाकर कार्यक्रम को मंत्रमुग्ध किया।

श्रद्धालुओं के लिए लगा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

अयोध्या (सं.)। भवदीय इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मासिस्टकल साइंसेज एण्ड रिसर्च एवं फैजाबाद केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवा वितरण शिविर पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर लगाया गया, जिसमें विभिन्न दर्द निवारक दवा वितरण, सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, घावों व चोटों पर मरहम पट्टी किया गया। संस्था सचिव अवधेश वर्मा, प्राचार्य डा. संजय कुशवाहा एवं एसोसिएशन अध्यक्ष अवि आनन्द ने बताया कि यह शिविर श्रद्धालुओं की सेवार्थ परिक्रमा तक चलेगा। शिविर में पंकज यादव, अतुल सिंह सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

जुलूस-ए-ताजिया

फैजाबाद (ब्यूरो)। तीन नवम्बर, नौ मोहर्रम की कदीम मुशतरी के ताजिये का जुलूस रात दस बजे जनाब शफात हुसैन साहब के अजाखाने से निकलकर इमामबाड़े जायेगा। मशहूर गजल गायिका बेगम अख्तर की माता मुशतरी बेग ने इस ताजिये के जुलूस की शुरुआत की थी, जिसे बाद में अन्जुमने मासूमिया राठहवेली उठाने लगी। अन्जुमने मासूमिया के साहिबे ब्याज विक्रम शर्मा जी जुलूस में साहिबे ब्याजी करेंगे। सभी से इस जुलूस में शिरकत की गुजारिश है।

शिविर में की निःशुल्क शुगर की जांच

फैजाबाद। फैजाबाद केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन व भवदीय ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में रिकाबगंज चौराहे पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन नगर पालिका अध्यक्ष विजय गुप्त ने किया। ... दौरान शुगर और रक्तचाप की जांच कर दवा का वितरण किया गया। ... मौके पर एसोसिएशन के अध्यक्ष अवि आनंद, संजय कुशवाहा, आनंद ...हरि, पंकज श्रीवास्तव, मयूरेश, वीरेंद्र, राकेश, राम खेलावन, सुनील ...र, सत्य नारायण तिवारी, अरुण मिश्र, शरद सिंह, मिश्रीलाल वर्मा, ...राम वर्मा, पीएन वर्मा, डॉ. अवधेश वर्मा, डॉ. अजय आनंद, डॉ. ...पना कुशवाहा, सीमा वर्मा, ममता चौधरी, श्रुति रिचा, अनुराधा, सुनील ...य व शरद सिंह मौजूद रहे।

प्रबन्धन-अनुभाग

विद्या मंदिर धाम

–अतुल सिंह
BIBM

आओ सब मिल नमन करें इस विद्या मंदिर धाम को।
धरा पुत्र अपने गुरुजन भवदीय के नाम को ॥

लोहिया पुल के निकट सीवार का अनुपम उपहार है
हर बाबुल के नव किसलय के जीवन का आधार है
यशो भूमि के तप से बदले विधि के लिखे विधान को॥
धरा पुत्र अपने गुरुजन .... ॥
मान मिले सम्मान मिले निज ऐसी शिक्षा मिलती है
गन्ध लिए स्नेह दया की कली सदा ही खिलती है
पतझड़ सावन या बरखा हो बदले हर परिणाम को॥
धरा पुत्र अपने गुरुजन .... ॥
मुदित मनोहर मंगलकारी इसका ये परिवेश है।
निज के वास्ते स्वर्ग धरा का यही हमारा देश है
कभी न धूमिल होने देंगे अपने इस अभिमान को।
धरा पुत्र अपने गुरुजन .... ।।
ज्ञान ज्योति की अमर किरण से रहे प्रकाशित जग सारा।
अ, आ, इ, ई जय हिन्द जय हो कहे सदा ये इकतारा॥
ज्ञानदायिनी मातृभूमि स्वीकार करो प्रणाम को।
धरा पुत्र अपने गुरुजन .... ।।

❑❑

Trust

–Sumit Srivastava
Asstt. Professor

All Relationships are trust relationships.

Crisis in trust really means crisis in truth. trust results from being trustworthy. what are the factors that build trust?

Reliability– Gives predictability and comes from commitments.

Consistency– builds confidence.

Respect– To self and others gives dignity and shows a caring attitude.

Fairness – Appeals to justice & integrity.

Openness – Shows a willingness to listen & share your views.

Congruence– action and words harmonize. If a person says one thing and behaves differently, how can you trust that person?

Competence– Comes when a person has the ability and the attitude to serve.

Integrity– the key ingredient to trust.

Character– a persons may have all the competence but if he lacks character he can't be trusted.

Courage– a person who lacks courage will let you down in a crisis

Trust in many ways is a much greater compliment than love. There are some people we love but we can't trust them Relationships are like bank accounts.

The more we deposit, the larger they become therefore, the more we can draw from them.

Many times we feel we are over drawn but, in reality we may be under deposited.

Below are some consequences of poor relationships and the lack of trust

- Stress
- Lack of communication
- Irritation
- Close mindedness
- No team spirit
- Lack of credibility
- Poor self esteem
- Suspicion
- Loss of productivity
- Isolation
- Poor health
- Distrust
- Anger
- Prejudice
- Breakdown of morale
- Uncooprative Behaviour
- Conflict
- Frustration
- Unhappiness

❑❑

आत्मविश्वास सफलता का आधार

–रमेश वर्मा
BIBM

आत्मविश्वास सफलता का आधार है
सौ के अन्दर
आत्मविश्वास है
बल्कि दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत भी बन जाता है
जो सोच सकता है
उसे हासिल भी कर सकता है
उसके अन्दर आत्मविश्वास जरूरी है
अन्दर आत्मविश्वास हो, तो उसे अवसर भी मिलता है
है
से विचार करना होगा। हम अवसर की पहचान ही नहीं कर पाते औ
मिला तो हम क्या करें, लेकिन जब अवसर मिलता है तो उस समय कितना कर पाते है
है

दुनिया में बहुत ऐसे लोग है
पर बै
बार यह कहते हुए मिल जाते है
जाते तो यह काम कर देते। सवाल यह है
है
आपके पास आत्मविश्वास का होना जरूरी है
एक विद्यार्थी यह कहता है
मेज होता, तो वह अच्छी ढंग से पढ़ाई कर सकता है
अगर ये चीजें उसके पास उपलब्ध हों, तो वह कहेगा कि अगर उसके पास कम्प्यूटर हो, तो वह अपना काम औ
जायेगा तो वह कहेगा कि अगर उसके पास लै
होता, तो वह अपने काम को औ
से कर सकता है

सवाल यह है
हो जायें, तो फिर सोचना किस बात का है

परन्तु यदि किसी के अन्दर आत्मविश्वास नहीं है
को कोसता है
मिला, उसे मिल गया। मेरा भाग्य ठीक नहीं है
भाग्य अच्छा है
जो संसाधन है
कार्य कीजिए, आगे बढ़िए, सफलता आपके कदम चूमेगी। केवल रोने से अवसर नहीं मिलता।

अवसर हर किसी के जीवन में है
आत्मविश्वास हर किसी के पास नहीं होता, इसलिए आत्मविश्वास के साथ अगर आप आगे बढ़ते है
केवल आपकी सफलता ही आपके कदम नहीं चूमेगी, बल्कि दुनिया में आप नाम भी कमायेंगे औ

" आत्मविश्वास वह पक्षी है
अँधेरी रात में ही प्रकाश का अनुभव कर लेता है
गाने लगता है

"यदि आप अपने ऊपर औ
विश्वास करते है
आत्मविश्वास दूसरों का विश्वास जीतने का अचूक नुस्खा है

"राजनेता हो या अभिनेता, शिक्षाविद् हो या शिक्षार्थी, सामान्य नागरिक हो या व्यापारी, सभी के लिए सफलता का आधार होता है

❑❑

शिक्षा की दिशा

—आर. ए. मिश्र
कार्यालय सहायक

मानव एक विचारशील प्राणी होने के कारण सभी जीवों में श्रेष्ठ कहलाता है
विकास हेतु शिक्षा की आवश्यकता होती है
समाज का मापदण्ड शिक्षा ही मानी गयी है
दो दिशाएँ है
क्योंकि मस्तिष्क के साथ-साथ शरीर भी स्वस्थ होना चाहिए। चूँकि स्वस्थ शरीर से स्वस्थ दिमाग का निर्माण होता है
के साथ-साथ उसके जीवन में अग्रसर होने का माध्यम बनती है
स्थान नहीं पा सकता। यह जरूरी है
तात्पर्य केवल किताबी ज्ञान पाना नहीं है
बौ
एवं रचनात्मकता को विकसित करने का माध्यम है
शिक्षानीति निर्धारकों को ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षण संस्थानों में किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यायाम, योग तथा क्रीड़ा पर भी ध्यान देने की आवश्यकता होती है

वर्तमान समय में साक्षरता की दर 70 प्रतिशत है जिसे आगे बढ़ाकर शत प्रतिशत करने के लिए प्रयासरत हों। ग्रामीण क्षेत्र में यह दर बहुत ही कम है
ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा का विकास होगा तो उनकी सहयोगिता की समाज-देश के विकास से जुड़ेगा। यह दिशा गरीबी की दशा को सुधारने में मदद कर सकती है

शिक्षा के विषय में पहला चरण घर से शुरू होता है
प्रत्येक माता-पिता की जिम्मेदारी होती है
बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित करें। विशेषत: लड़कियों के माता-पिता का योगदान शिक्षा के विकास में अहम् भूमिका प्रदान कर सकती है
की भी रुचि होनी चाहिए। उसके मन में एक शिक्षा के प्रति ललक होना चाहिए औ
के विषय में शिक्षक की अहम् भूमिका होती है
की जिम्मेदारी केवल अपने विद्यार्थियों को पाठ ही रटाना नहीं होता है
औ
देश के प्रति उनके कर्त्तव्यों का बोध कराना अति आवश्यक होता है
अगर ये तीनों अपनी-अपनी जिम्मेदारी का मिलकर समुचित सहयोग प्रदान करते हुए एक संकल्प के साथ अपने कार्य को ईमानदारी से निर्वाह करें, तो शत-प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति निश्चित है
में अगर मानकर शिक्षक कार्य करे, तो निश्चित ही समाज-देश अग्रसर होगा, क्योंकि विद्या दान से शिक्षक-छात्र दोनों के ज्ञान का विकास होता है
दान से संचित ज्ञान में वृद्धि होती है
दान से संचित राशि में कमी आती है

❑

> खाने और सोने का नाम जीवन नहीं है। जीवन नाम है सदैव आगे बढ़ने की लगन का।
> —प्रेमचन्द

जिन्दगी में आया दु:खों का सै

–शालू तिवारी
B.B.A. (5th Sem.)

आँगन में इक फूल खिला
सारे पेड़ मुस्कुराये थे।
उम्मीदों की इक आस जगी
सारे सपने सच हो जायेंगे।
जिस फूल को लेकर मातृ–पिता ने
इतने सपने थे संजोये।
क्या पता था उनको वही फूल
इतनी जल्दी छोड़कर चले जायेंगे।
आँगन में इक फूल खिला
सारे पेड़ मुस्कुराये थे।
जहाँ चारों तरफ दीपक का
प्रकाश था जगमगाया
वहीं एक घर ऐसा भी था,
जहाँ दु:खों का मातम छाया था।
बचपन में जिसे मै
में खिलाया था
उसे जरा भी कष्ट न हो इसलिए
फूल की सेज पर लिटाया था।
आज इन्हीं हाथों से चिता पर लिटाया था
नहीं सोचा था जिन्दगी में ऐसा भी सै
जिस फूल को देखकर जीते थे हम
वही फूल मुरझा जायेंगे
सच होते–होते सारे सपने पानी की तरह बह जायेंगे।
उम्मीदों का दिया बुझा सारी आँखें,
आँसुओं से भर आयी थीं।
आँगन में इक फूल खिला,
सारे सपने सच हो जायेंगे।

❑❑

मेरी छत पर तिरंगा रहने दो

—रजीवुल्लाह रायीन
B.B.A. (5th Sem.)

नफरतों का असर देखो जानवरों का बँटवारा हो गया,
गाय हिन्दू हो गयी औ
मंदिर में हिन्दू दिखे, मस्जिद में मुसलमान,
शाम को जब मयखाने गया, तब जाकर दिखे इंसान।
ये पेड़, ये पत्ते, ये शाखें भी परेशान हो जाएँ,
अगर परिंदे भी हिन्दू औ
सूखे मेवे भी देख कर है
न जाने कब नारियल हिन्दू औ
न मस्जिद को जानते है
जो भूखे पेट होते है
अंदाज जमाने को खलता है
कि मेरा चिराग हवा के खिलाफ क्यों जलता है
मै
लाल औ

❑❑

प्रेरणा

—अमरेन्द्र वर्मा
B.B.A. (2nd Sem.)

1. किस्मत से लड़ने में मजा आ रहा है
   ये मुझे जीतने नहीं दे रही औ
2. डाली पे बै
   डाली से ज्यादा अपने पंख पर भरोसा है
3. जीवन में एक बार जो फै
   इतिहास नहीं बनाते।
4. शायद फिर वो तकदीर मिल जाये, जीवन के वो हसीं पल मिल जाये, चल फिर से बै
   बेंच पे, शायद फिर से वो पुराने दोस्त मिल जायें।

❖❖❖

हमारी मातृभूमि

—कुशमेश मिश्रा
BCA (5th Sem.)

जन्मभूमि को छोड़ के आना आसान नहीं होता,
बेगानी धरती पर दिल लगाना आसान नहीं होता,
रहना बीच प्रदेश सपने लेना वतन के,
टुकड़ों में बँटके जीना आसान नहीं होता।
पापी पेट की भूख हरा देती है
उठके खाने के पास से आना आसान नहीं होता।
शोहरत पाने के लिए खून जिगर का लगता है
दुनिया में आके नाम कमाना आसान नहीं होता।
कामयाब है
बेगाने मुल्क पर पै
मेरी तो इंडिया में आके कुछ उम्मीद सी जगी है
वै
बेगाने नगर में ऐ दोस्त जब भी तू आयेगा
मोह वफा को छोड़ हर चीज वहाँ तू पायेगा।
वेलकम लिखा मिलेगा तुझे बहुत से दरवाजों पे।
पर हर इक दरवाजे को तू यारा बन्द अन्दर से पायेगा।

❑❑

Which is better

–Avaneesh Patel
BCA (4th Sem.)

Why do some people say that lie is better than truth ? Because lie's way easy to adopt and truth's way is difficult. But they do not know that after these difficulties they will find a happy life. Now you will say that in some of the case lie is better. But what is the benefit from that which has been done by the process of lie if you will adopt the method by truth. It would be quite different but after these difficulties, you will find only happiness and everybody wants to be happy. So always......walk on the way of ' TRUTH'.

❑❑

मेरे पापा

—ज्योति सिंह
B.B.A. (5th Sem.)

बचपन के अपने वो दिन याद आते
जब हम गुड्डे औ
सारे दिन हम उनके घरों को सजाते,
पापा खड़े देख यूँ ही मुस्काते,
हम भी दौ
आँख खुलते ही सारे सपने टूट जाते
पापा आप साथ चलते तो सही।।

ख्वाहिशें न थीं चाँद के पार जाने की
धरती पर रहकर ही हम आसमाँ को छू जाते,
पापा आप साथ चलते तो सही।।

मेरे सपनों को मेरे अरमानों को एक बार पूछा तो होता
दुनिया की भीड़ में हम इस तरह न खो जाते,
आप के साथ चलकर दुनिया में हम भी कुछ करके दिखाते,
पापा आप साथ चलते तो सही।।

हम जब दु:खों के अथाह सागर में डूबे थे।
अपनों ने भी साथ छोड़ दिया,
आप ने एक बार मेरी ख्वाहिशों को पूछा तो होता,
हम इस तरह निराश होकर यूँ न ही टूट जाते,
आपका हाथ पकड़कर सागर को पार कर जाते।
पापा आप साथ चलते तो सही।।

आपने क्या-क्या न सपने सजाये थे,
क्या-क्या न आरमाँ जगाए थे,
पै
हमें बेटी समझकर यूँ ही न निराश हो जाते,
अपनी चिन्ताओं को एक बार मुझसे बताया तो होता,
हम भी बेटों से भी आगे निकलकर दिखाते,
आप देखते हर सपने को सच कर जाते,

न कवि है
बस वक्त के ही मारे है
पापा आपको यूँ निराश देखा न होता,
आपके दर्द को कभी हम भी न समझ पाते।
अपनी बेबशी को हम आँसुओं में पिरो पाते,
पापा आप साथ चलते तो सही।।

दुनिया में मेले हैं
उनके पीछे आप यूँ ही न भाग जाते
औ
आज हमारे भी चेहरे यूँ ही मुस्काते,
पापा आप साथ चलते तो सही।।

❑❑

बस इक कदम औ

–*मुकेश कुमार पाण्डेय*
B.C.A. (4th Sem.)

बस एक कदम औ
बस एक नजर औ
अम्बर के नीचे उस बदली के पीछे, कोई तो किरण होगी
इस अन्धकार से लड़ने को कोई तो किरण होगी।
बस एक पहर औ
बस एक कदम औ
जो लक्ष्य को भेदे वो कहीं तो तीर होगी
इस तपती भूमि में कहीं तो नीर होगी।

बस एक प्रयास औ
बस एक कदम औ
जो मन्जिल तक पहुँचे वो कोई तो राह होगी
अपने मन को टटोलो कोई तो चाह होगी।
जो मन्जिल तक पहुँचे वो कदम हमारा होगा
बस एक कदम औ
बस एक नजर औ

❑❑

भगवान औ

—निधि वर्मा
BCA (4th Sem.)

एक साधु महाराज ने सत्संग के दौ
असाधारण शक्ति विद्यमान या निहित रहती है God से बना है

G – Generate – जनरेट– उत्पत्ति
O – Organized – आर्गनाइज्ड– संचालन
D – Death or destroy – डेथ या डिस्ट्राय – मृत्यु या नष्ट

इस प्रकार ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति करना एवं संचालन करना औ

गुरु ही अपने ज्ञान के द्वारा व्यक्ति को उस परम सत्ता तक पहुँचाने का कार्य करते है
में व्याख्या स्वामी जी ने इस प्रकार की–

G – Guide – गाइड – दिशा निर्देशन
U – Univers – यूनिवर्स – ब्रह्माण्ड – पूरा जगत
R – Right – राइट – सही – सत्य
U – Utility – यूटीलिटी – उपयोगिता

गुरु वह है
है

❑❑

सफलता

—अनुज रावत
BCA (2th Sem.)

1. एक मिनट की सफलता बरसों की असफलता की कीमत चुका देती है
2. ऊँचा उठना है
   निकालकर स्वयं को हल्का कीजिए, क्योंकि ऊँचा वही उठता है
3. सफलता का रास्ता बना बनाया नहीं मिलता। स्वयं बनाना पड़ता है
   उसे वै
4. हारना सबसे बुरी विफलता नहीं है
   करना ही सबसे बड़ी विफलता है
5. हमारे आलस्य की सजा, सिर्फ हमारी असफलता ही नहीं, बल्कि दूसरों की सफलता भी है
6. एक सफल व्यक्ति वह है
   ऊपर फेंके गये ईंटों से एक मजबूत नींव बना सके।
7. यदि हार की संभावना नहीं हो, तो जीत का कोई अर्थ ही नहीं है

❑

Managing Business

–Kshitij Agrawal
BCA (4th Sem.)

Do not Compromise anywhere, where your goodwill or image is likely to be tarnished, only a clean image will direct you towards a leading position.

Spend as much money and time as you can in research and development, this will maintain your progress.

Make it a habit to note down, immediately, any significant idea or thought thats comes to your mind as you may not remember it later.

Greed spoils the value of wisdom and experience.

OUR FAMILY MISSION

To love each other......................to help each other

to believe in each other.....................

To wisely use our time, talents and resources

to bless others.......................

to worship together..............

.Forever.

❑❑

Ten Secrets of Success

–Avaneesh Patel
BCA (4th Sem.)

1. How you think is everything Always be positive. Think success, not failure. Beware of negative environment.
2. Decide upon your true goals and dreams write down your specific goals and develop a plan to reach them.
3. Take action Goals are nothing without action. Don't be afraid to get started. Just do it.
4. Never stop learning. Go back to school or read books, get training and acquire skills.
5. Focus on time and money. Don't let other people or thing distract you.
6. Deal and communicate with people effectively. No person is an island. Learn is understand and motivate others.
7. Be honest and dependable. Take responsibilty.
8. Don't run away from problem. Face them your attitude is your attitude.
9. Learn to analize details. Get all the facts. all the input, learn from your mistakes.
10. Be presistent and work hard. Success is a marathan not a spirit. Never give up.

❑❑

My Iron Mother

–*Nidhi Verma*
BCA (6th Sem.)

My mother is Iron mother
Her love is warmer than other
If anybody ask me whom I love most
Tell them I love mom Best
That love come from inner sight scene
Seems to me as spiring divine
Let mother's love shine throughout world
To every hill, rock, valley and river soard.
Mother ! Mother ! My Iron mother
I awake with your gentle love shower
All day your motherhood save as
And give me power to fulfill world duty
Oh ! Mother my soul is useless
your are my life, my energy source
That comes from your divine heart
Every cristle of love rains & art
God ! give me every large
Wh' she desire
Nice touch of my Mother
God ! blesseth my lovely Iron mother !!

❑❑

What is training

–*Afsana Bano*
BBA (6th Sem.)

Training is :

(a) It's not what you want in life, but it's knowing how to reach it.
(b) It's not where you want to go, but It's knowing how to get there.
(c) It's not how high you want to rise, but It's knowing how to take off.
(d) It may not be quite the outcome you were aiming for, but It will be an outcome.
(e) It's not what you dream of doing, but it's having the khowlodge to do it.
(f) It's not a set of goals, but it's more like a vision.
(g) It's not the goal you set, but it's what you need to achieve it.

❑❑

फार्मेसी-विभाग

दहेज प्रथा

(Dowry System is Cancer of our Society)

—अनुज सिंह
स्टोर इंचार्ज

हमारे समाज में व्याप्त विभिन्न प्रकार की समस्याओं में दहेज-समस्या का रूप अत्यन्त भयानक होता जा रहा है
दहेज-समस्या एक भीषण समस्या बन चुकी है
इसके कारण बहुओं को प्रतिदिन आत्महत्या के लिए विवश किया जा रहा है
आज यह हमारे समाज में एक ऐसी खतरनाक बीमारी बन गयी है
की आय बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार के अनै
कार्य अपनाने पड़ रहे है
विभिन्न प्रकार की कठिनाइयाँ, संघर्ष एवं धर्म संकट उत्पन्न हो रहे है

दहेज के कारण माता-पिता के लिए लड़कियों का विवाह एक अभिशाप बन गया है
इस प्रथा ने अपना बहुत ही विकराल रूप धारण कर लिया है
काफी सौ
अच्छे व्यवसाय या नौ
वर को प्राप्त करने के लिए कन्या के माता-पिता को अच्छा-खासा दहेज देना होता है
कि दहेज के रूप में कन्या के माता-पिता का शोषण किया जाता है
है

सभी माता-पिता अपनी सामर्थ्य के अनुसार अपनी कन्या को वस्त्र, गहने एवं अन्य चीजें देना चाहते है
देते है
कि लड़कियों के घरवालों को दहेज जुटाने के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है
पड़ रहा है
फै

दु:ख तो इस बात का है
विशेषत: स्त्री-शिक्षा तथा नारी जागरण के बावजूद दहेज का प्रचलन आज के समय में बढ़ा है

दहेज प्रथा का समाज पर कुप्रभाव

1. आज हमारे भारतीय समाज में दहेज-प्रथा के कारण ही बालिकाओं का वध किया जा रहा है
2. दहेज देने के लिए कन्या के परिवारवालों को रकम उधार लेनी पड़ रही है
   ऋणग्रस्तता व्याप्त हो जाती है
3. दहेज के कारण बेमेल विवाह जै
   उत्पन्न हो जाती है
   माना जाता है
4. दहेज जुटाने की भावना अपराध को प्रोत्साहित करती है
5. दहेज के कारण जीवन-स्तर में भी गिरावट आती है

निराकरण के उपाय— दहेज को समाप्त करने के लिए आवश्यक है
जाये। जीवन-साथी चुनने की स्वतंत्रता प्रदान की जाये। अन्तर्जातीय विवाह, युवा आन्दोलन एवं दहेज विरोधी कानून लागू किया जाये।

हम सबको एक साथ हो करके इस शत्रुरूपी प्रथा का विनाश करना होगा औ
स्थापना करनी होगी।

❑

चुटकुला

–राहुलकुमार गुप्त
D. Pharm. (IInd year)

महिला : क्या बस में बच्चों का आधा टिकट लगता है

कंडक्टर : हाँ अगर वे 12 से कम हों तो।

महिला : तब तो ठीक है बच्चे है

× × ×

दीपक (अध्यापक से) : सर आपने मेरे होमवर्क की कापी में घसीटकर क्या लिखा है

अध्यापक : क्या तुम इतना भी नहीं पढ़ सकते। मै

× × ×

आदमी : वकील साहब, मुझे तलाक लेना है मेरी पत्नी ने मुझसे तीन महीने से बात तक नहीं की है

वकील : एक बार दोबारा सोच लो। ऐसी पत्नियाँ बहुत मुश्किल से मिलती है

× × ×

चिंटू : मुझे नौ

अफसर : ठीक है

चिंटू : जी, पास्ड हाईस्कूल विथ डिफिकल्टीज।

× × ×

जज मुजरिम से : तुम पर यह आरोप है अपनी पत्नी को बेसहारा छोड़कर भाग गये थे। क्या तुमको अपने बचाव में कुछ कहना है

मुजरिम : साहब, मै होता तो फिर भागता ही क्यों।

❑

FUN FACTS ABOUT BONES

–Jagriti Gautam
D. Pharm. (IInd year)

- The adult human body has 206 of them.
- There are 26 bones in the human foot.
- The human hand, including the wrist, contains 54 bones.
- The femur, or thighbone, is the longest and strongest bone of the human skeleton.
- The stapes, in the middle ear, is the smallest and lightest bone of the human skeleton.
- Arms are among the most commonly broken bones, accounting for almost half of all adults broken bones. The collarbone is the most commonly broken bone among children.
- Bones stop growing in length during puberty. Bone density and strength will change over the course of life, however.
- The only bone in the human body not connected to another in the hyoid, a V-shaped bone located at the base of the tongue.
- Bones are made up of calcium, phosphorus, sodium and other minerals, as well as the protein collagen.
- Bones function as the skeleton of the human body, allow body parts to move and protect organs from impact damage. They also produce red and white blood cells.

❑

स्वच्छ रहकर करें 10 रोगों की सफाई

–प्रभुनाथ चौ
D. Pharm. (IInd year)

एनीमिया, कुपोषण

लक्षण– पोषण में कमी, थकावट, मांसपेशियों में कमजोरी, सुस्ती, शारीरिक व मानसिक विकास में कमी आना आदि।

कारण– दूषित भोजन व पानी के सेवन से नियमित डायरिया व पेट में कीड़े होने की समस्या होती है
हो जाती है

इलाज– कोई टीका नहीं, ओआरएस घोल की सलाह।

एस्कारिमासिस

लक्षण– कीड़ों की वजह से पेट में अधिक संक्रमण होने के कारण आँतों से मल बाहर आने की प्रक्रिया में बाधा आती है

कारण– मल व गन्दे पानी का निपटान सही न होना।

इलाज– पीपीटी दवाएँ।

कै

लक्षण– अधिक दस्त (कई बार खून व बलगम) मरोड़, बुखार, चक्कर व उल्टी।

कारण– दूषित पानी पीना, अधपका मीट व संक्रमित कच्चा दूध पीना व बै
संक्रमित चीजों का सेवन।

इलाज– ओआरएस थेरेपी, संक्रमण अधिक होने पर एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन।

है

लक्षण– है
रहित डायरिया, उबकाई औ

कारण– संक्रमित व्यक्ति के मल से दूषित खाद्य पदार्थ का सेवन।

इलाज– ओ आरएस थेरेपी, इन्जेक्शन के जरिए फ्लूइड चढ़ाना। एन्टीबायोटिक दवाओं के सेवन की जरूरत नहीं।

हेपेटाइटिस

लक्षण– हेपेटाइटिस 'ए' औ
बुखार, कमजोरी, भूख न लगना, उबकाई आना, पेट में गड़बड़ी व पीलिया।

कारण– दूषित पानी औ
हेपेटाइटिस 'ए' संक्रमित सूई के जरिए भी दूसरे व्यक्ति में पहुँचता है

इलाज– हेपेटाइटिस 'ए' के उपचार के लिए दवाएँ उपलब्ध है
करता है

लेप्टोस्पायरोसिस

लक्षण– बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, पीलिया, उल्टी, डायरिया, त्वचा पर निशान, त्वचा पर रक्त स्राव होना, म्युकस मै

कारण– दूषित पानी शरीर में पहुँचना। घाव व चोट के रास्ते संक्रमण फै

इलाज– एंटीबायोटिक दवाएँ।

वर्म (गोलकृमि)–

लक्षण– त्वचा, नाखून औ
पड़ना।

कारण– संक्रमित व्यक्ति व पशु की वस्तुओं व खाद्य पदार्थों के सीधे संपर्क में रहना।

इलाज– एंटी फंगल लोशन व एंटी फंगल दवाओं का इस्तेमाल।

दाद

लक्षण– उँगली, बाजू, घुटने आदि में मुहाँसे जै

कारण— संक्रमित व्यक्ति की त्वचा के सीधे संपर्क में आने औ
से होता है

इलाज— एंटी फंगल लोशन व एंटी फंगल दवाएँ।

ट्रेकोमा

लक्षण— दृष्टि से धुंधलापन, दर्द व खारिश होना।

कारण— पीड़ित व्यक्ति की आँख से निकलने वाले द्रव्य के सीधे संपर्क में आना या मक्खी के कारण संक्रमण फै

टाइफायड

लक्षण— बुखार होना, भूख की कमी, सिरदर्द, कब्ज, डायरिया इन लक्षणों के साथ किसी को तेज बुखार होता है

कारण— संक्रमित व्यक्ति के खाने व पीने की चीजों को खाना, नाली आदि के दूषित पानी से होने वाला संक्रमण।

इलाज— टीका उपलब्ध है
नहीं। एंटीबायोटिक दवाएँ भी दी जाती है

❑

दहेज

—अमरेन्द्रकुमार प्रजापति
D. Pharm. (Ist year)

नारी ही नारी की दुश्मन,
करे कौ
दहेज के पीछे हाथ उन्हीं का,
कै

माँ भी नारी, सास भी नारी,
नारी बहू बेचारी
फिर भी देखो, इस दुनिया में,
जलती क्यूँ है

किसी की बेटी, बहू किसी की,
ऐसा ही बना रिवाज
आओ पथ अपनाएँ ऐसा,
सुखी बने समाज!!

दहेज के पीछे दौ
धोये अपना हाथ
बेटी जब तेरी बहू बनेगी,
यही बीतेगी उसके साथ!!

नारी एकता के बिना,
होगा नहीं सुधार
इसके पीछे हर नारी को,
होना है

छोड़ो लोभ दहेज का,
करो आदर्श निर्वाह
दोनों घर आबाद रहे,
सुखी बने परिवार!!

❑❑

लिमका औ

–मो. आरिफ खान
D. Pharm. (IInd year)

लिमका की एक ठण्डी शीशी,
आम से जाके एक दिन बोली–
खुद को राजा कहते हो, धूप में लेकिन जलते हो।
दो दिन में सड़ जाते हो, बातें बड़ी-बड़ी बनाते हो,
तेरा छिलका है
तेरे अन्दर क्या शिफत है
फूटी तेरी किस्मत है
लोगों की मै
दिन भर फ्रीज में रहती हूँ, धूप कभी न सहती हूँ।
आम जरा-सा मुस्काया लिमका को फिर समझाया,
माना की तू ठण्डी है
जब तक तू है
जिस दिन खाली होना होगा, धूप में बै
थोड़ी शिफत खराबी, सबके अन्दर है
कोई अच्छा हो या बुरा, खालिक सबका एक खुदा
किसी को कमतर मत जानो, पहले अपनी जात को पहचानो।

कलयुगी छात्र

फै
इम्तिहान के मुख्य दिनों में, करते ये फिल्मों की याद
ड्रेस विरोधी वस्त्र पहनकर, समझ रहे है
लम्बे-लम्बे बाल बढ़ाकर, बनते ये कै
चुस्त-पै
रंग-बिरंगे शर्ट पहनकर आवारा घूमा करते
सींक-सरीखा हाथ पै
ऊँचे-ऊँचे जूते पहने मुँह में चबा रहे है
इधर-उधर की बात बताकर, पै
घर से तो जाते पढ़ने को, पर सिनेमा देखा करते है
गुरु से या आचार्यजनों से, कभी नहीं ये डरते है
अच्छे भले माहौ
मेरी यही राय है
पूरे मन से शिक्षा लेकर, नव भविष्य का निर्माण करो।

❑

स्वीकार करो

–अमितकुमार पाल
D. Pharm. (IInd year)

लहरों से डरकर नौ
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती
नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है
चढ़ती दीवारों पर सौ
मन का विश्वास रगो में साहस भरता है
चढ़कर गिरना गिरकर चढ़ना नहीं अखरता है
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

❑

Anemia

–Arun Pandey
D.Pharm. (IInd year)

Anemia- It is disease involving–

1. deficiency in the number of red blood cells.
2. deficiency of haemoglobin.

Because of any one of these deficiencies there is a decreas in the oxygen carrying Capacity of blood. The symptoms of anemia manifest in the form of breathlessness. Tiredness, loss of appetite and pallor of skin.

The important types of Anemia.

1. Toon deficiency anemia
2. Megaloblastic anemia
3. Haemolytic anemia
4. Aplastic Anemia.

1. Toon deficiency Anemia– This type of Anemia, there is a deficiency of toon due to low dietery intake or decreased absorption.

2. Megaloblastic Anemia– This type anemia occurs due to the deficiency of either vitamin B_{12} or folic Acid. The vitamin B_{12} and folic acid are necessary for the maturation of red blood cells.

3. Haemolytic Anemia– It occurs due to increased destruction of red blood cells. It occure due to Hereditary disorders, mechanical injury tored blood cell, infection like malaria.

4. Aplastic Anemia– It occurs due to suppression of bone marrow function, it can be caused by drugs. Chemical, irradiation disease.

❑❑

Pharmacological Terms

–Suman Nishad
D. Pharm. (IInd year)

1. Alopecia = Boldness, falling of hair.
2. Arthralgia = Pain in joint.
3. Arthritis = Inflamation of joints.
4. Coma = Deep sleep, Complete loss of Consciousness.
5. Dysfunction = Abnormal functioning of any organ or part.
6. Dyspepsia = Indigestion.
7. Emesis = Vomitting
8. Epilepsy = A disease of brain due to abnormal electrical discharge.
9. Euphoria = An exaggerated feeling of well being.
10. Flushing = Sudden redness of skin.
11. Gastritis = Inflamation of the Stomach.
12. Goitre = Enlargement of Thyroid gland.
13. Haematuria = Blood in urine.
14. Insomnia = Chronic inability to sleep.
15. Ischemia = Reduced blood supply.
16. Ototoxic = Having toxic action on the ear.
17. Rhinitis = Inflamation of Nasal mucous membrane.

❑❑

स्वदेश प्रेम

—श्रवणकुमार
D. Pharm. (Ist year)

कभी ठंड में ठिठुर के देख लेना,
कभी तपती धूप में जल के देख लेना,
कै
कभी सरहद पर चल के देख लेना।

कभी दिल को पत्थर करके देख लेना,
कभी अपने जज्बातों को मार के देख लेना।
कै
कभी अपनों से दूर रहकर देख लेना।

कभी वतन के लिए सोच के देख लेना
कभी माँ के चरण चूम के देख लेना।
कितना मजा आता है
कभी मुल्क के लिये मर के देख लेना।

कभी सनम को छोड़ के देख लेना,
कभी शहीदों को याद करके देख लेना।
कोई महबूब नहीं है
मेरी तरह देश से, कभी इश्क करके देख लेना।

❑❑

कामयाबी

—शालिनी गोस्वामी
D.Pharm. (Ist year)

रोने से तकदीर बदलती नहीं
वक्त से पहले रात भी ढलती नहीं
दूसरों को कामयाबी लगती आसान मगर
कामयाबी रास्ते में पड़ी मिलती नहीं।
मिल जाती कामयाबी अगर इत्तेफाक से
मगर यह भी सच है

ऐसा भी लगता है
दुनिया हमारे जज्बात समझती नहीं।
हर शिकस्त के बाद टूटकर
जो संभल गया फिर कौ
हाथ बाँधकर बै
मानव, अपने आप से कोई जिन्दगी सँवरती नहीं।

❑❑

सच्चाई की जीत

—सद्दाम हुसै
D. Pharm. (IInd year)

सच्च विपत्ति जब आती है
सूरमा नहीं विचलित होते, क्षण एक नहीं धीरज खोते।
विघ्नों को गले लगाते है
है

जब ठूम ठेलता है
मानव जब जोर लगाता है
गुण बड़े एक से एक प्रखन्न है
मेंहदी में जै
बत्ती जो नहीं जलाते है वह पाते है

❑❑

नेता जी की कहानी

—सद्दाम हुसै
D. Pharm. (IInd year)

1. खादी पहन के बने है
बेच देंगे आजादी अमन बेच देंगे
बचेगा जब न कुछ बेचने के लायक,
ये कबर खोद करके कफन बेच देंगे।

शिव की गंगा पानी है
आबे जमजम भी पानी है
हिन्दू भी पिये मुस्लिम भी पिये,
पानी का मजहब क्या होगा।

2. सूर्ती चबा के थूकने से कुछ नहीं होगा,
अपने वतन को फूकने से कुछ नहीं होगा।
कुछ काम करके देश को आगे बढ़ाइए,
कुत्तों की तरह भूकने से कुछ नहीं होगा।

3. ये बात हवाओं को बताये रखना,
चिरागों को हमेशा जलाये रखना।
जिस तिरंगे की हिफाजत सबने की,
ऐसे तिरंगे को अपने मन में बिठाए रखना।

❑❑

चमन के फूल

—अब्दुल अजीज अहमद
D.Pharm. (IInd year)

हँसते- हँसते लगाया गले मौ
जिन शहीदों ने अपने वतन के लिए।
प्यार से हम सभी सर झुकाते उन्हें
फूल असली थे वो ही चमन के लिए।
खून जिनका गिरा देश की भूमि पर
देशवासी उन्हें भूल सकते नहीं।
जिन सितारों ने रोशन किया देश को
बुझ गये वो सितारे वतन के लिए।

आज आजाद झाँसी की रानी नहीं
है
किन्तु उनकी निशानी तिरंगे में है
शान से जो फहराता वतन के लिए।
जिनको अपने वतन से नहीं प्यार है
देशद्रोही मक्कार गद्दार है
राष्ट्र की भावना जिनके हृदय में नहीं,
एक अभिशाप है

❑❑

The Weavers

—Ranjeet Patel
D.Pharm. (IInd year)

Weavers. Weaving at fresh of day
why do you weave a garment so gay.
blue the wing, off a halcyon wild.
we weave the robes of a new born child.
Weavers weaving at fall of night.
why do you weave.
A garment so bright like.
The flumes of Peacock purple & green.
we weave the marriage,
veils of a queen.

Poem

–Ranjeet Patel
D.Pharm. (IInd year)

There is a secret few do know.
And both in special places grow.
A Rich man's Praise, a Poor man's strength,
A Sick man's Health.
A ladies beauty, A lord's bliss.
Matchless jewel where it is.
And makes where it is truly seen,
A gracious king and glorious queen.

❑❑

वो पिता होता है

— वृजकिशोरी
D.Pharm. (IInd year)

अच्छे स्कूल में बच्चों को डालने
के लिए दौ
डोनेशन व उधार लेकर भी
जुगाड़ करता है
समय की माँग हो सिफारिश के लिए
हाथ भी जोड़ता है
कॉलेज में साथ जाकर हास्टल तलाशता है
खुद फटी बनियान पहनकर तुम्हें जीन्स दिलाता है
वो पिता होता है
खुद का मोबाइल फटीचर लेकिन
तुम्हे लेटेस्ट दिलाता है
तुम्हारे प्रिपेड का खर्चा सहता है
फिर भी तुम्हारी आवाज को तरसता है
वो पिता होता है
तब मै
तो बच्चे खूब चिढ़ाता है
ये तुम्हारा आखिरी फै
पापा आप कुछ करते है
तो सुनकर मन भर आता है
वो पिता होता है

❑❑

सबसे बड़ा धन

— प्रतिमा
D.Pharm. (IInd year)

माँ–बाप से बढ़कर कोई प्यारा नहीं होता,
ममता से बढ़कर कोई तोहफा नहीं होता।
सारी खुशियाँ छोड़ दो माँ–बाप के चरणों में,
क्योंकि माँ–बाप कभी बेवफा नहीं होते।
जिसके पास सब कुछ है
जिसके पास कुछ नहीं है
हे माँ मेरे पास तेरा प्यार है
जिसके लिए तरसती है
जलते दीपक के तले अँधेरा होता है
हर शाम के बाद सवेरा होता है
डर जाते है
मगर मुसीबत के बाद खुशी का सवेरा होता है

❑❑

शिक्षक-प्रशिक्षण-अनुभाग

आधुनिक कला : एक परिचय

— *पंकज कुमार यादव*
कला प्रवक्ता (बी.टी.सी.)

भारत में 19वीं शताब्दी में अंग्रेजों द्वारा राज्य स्थापित करने के साथ ही एक नयी विचारधारा का जन्म हुआ, जिसे आधुनिकता के रूप में देखा गया, जिसके कारण भारतीय समाज एवं संस्कृति में अनेक परिवर्तन हुए औ
तो आधुनिकता ने सभी क्षेत्रों में कदम रखा है
आधुनिकता को समझने के लिए विभिन्न क्षेत्रों की अपेक्षा जिस क्षेत्र को चुना है

मानव एवं कला का चोली-दामन का साथ रहा है
जितना आदिम मनुष्य है
कला ही इस विश्व में सभी संस्कृतियों एवं सभ्यताओं की जननी है
वह गुफाओं में अपने लोक जीवन को पहले ही उकेरने लगा था। उसे भाषा का ज्ञान नहीं था, परन्तु पत्थरों एवं गुफाओं में अपने विश्वासों औ ल्पनाओं को आकार देने लगा था। मनुष्य की इन्हीं परिकल्पनाओं को आकार देने लगा था। मनुष्य की इन्हीं परिकल्पनाओं औ
विभिन्न संस्कृतियों औ ।।

विकास एवं सृजन के इस अनुक्रम में कला औ
संस्कृति के पारस्परिक क्रिया औ
के विभिन्न भागों में कला के विभिन्न रूपों का प्रादुर्भाव हुआ। इसमें मुख्यत: प्राचीन ग्रीक की यथार्थवादी कला थी, जिसे हम अनुकरण की कला कह सकते है

प्राचीन भारतीय कला अध्यात्म, दर्शन औ
से प्रेरित रही है
निश्चित विधान है
आधारभूत सिद्धान्त है ही इसमें भारतीय संस्कृति का समावेश है
कालान्तर में कुछ शै
अवश्य आया, पर भारतीयता का लोप नहीं हुआ। चाहे वह आदिम कला हो या अजन्ता की कला, जै
या राजस्थानी, पहाड़ी हो या मुगल कला, सभी कलाओं में सपाट रंग-योजना के साथ रेखांकन का महत्त्व रहा है औ
परम्परागत कला का यह क्रम 18वीं शताब्दी तक विद्यमान रहा है

ब्रिटिश काल में ब्रिटिश शासकों ने भारतीय कलाकारों से मनोवांछित कलाकृतियाँ बनवाने के इरादे से भारत में शिक्षा के साथ-साथ कला-केन्द्रों की स्थापना की, जहाँ पाश्चात्य भारतीय परम्पराओं के अनुसार ड्राइंग, मॉडल व चित्र आदि बनाने का प्रशिक्षण दिया जाने लगा। इसका प्रभाव भारतीय कला पर भी पड़ा, जिससे भारतीय कलाकारों में जागृति उत्पन्न हुई। **ई.वी. है**
ने भारतीय कला का पुनर्निर्माण किया।

❑

प्रिय छात्रों को मेरा पत्र

–डॉ. सीमा विश्वकर्मा
प्रवक्ता (बी.टी.सी.)

प्रिय छात्रों! इन्स्टीट्यूट का यह वर्ष बीत रहा है लम्बे अन्तराल के बाद तुम्हें इस बीच पत्र लिख रही हूँ। ऐसा नहीं कि मै
अन्तर्मन के सबसे अहम् हिस्से में विराजमान हो। मै इस देरी के लिए तुम सबसे क्षमाप्रर्थी हूँ। पूछोगे नहीं कि, इस देरी का क्या कारण रहा?

हम एकाग्र हो, समग्रता के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहे होते है
लिये कि, कर देंगे तहस-नहस। देखने पर लगता भी है कि सब कुछ बिखर गया है
नहीं होता है
में विचलित होते है
जिनका स्वाग्रह तथा सोच कमजोर होती है
उद्देश्य स्वार्थपूर्ण एवं संकुचित होता है
के चले जाने के बाद की परिस्थितियों का अवलोकन करो तो तुम पाओगे कि दृश्य औ
है
गया है
की गर्त तूफान के साथ उड़ उन्हें स्वच्छ औ
बना गयी है
गये है
बलवती हो गयी है
पोषण औ
तूफान का आभार प्रकट करें? निर्धारित लक्ष्य प्राप्त कर लेना ही, प्रिय छात्रों हमारी सफलता का द्योतक है

सफलता की डगर सीधी औ
है
देने वाले तिराहे भी होते है
करने वाली मनमोहक आवरण में छिपी अवांछनीय वस्तुएँ कदम-कदम पर सफलता का मार्ग रोकती है
सफलता प्राप्त करने का कार्य यज्ञ करने के समान होता है
श्रम की आहुति से अपने ह्दय में आकांक्षा रूपी अग्नि को प्रज्वलित करता है
सफलता प्राप्ति हेतु ऊर्जा प्रदान करती है

'तजना' अथवा 'त्याग' करना ही सफलता का रहस्य है
करना के सिद्धान्त पर ही होती है
तो फल उत्पन्न होते है
करने पर ही वृक्ष को जन्म देता है
के विकास का कारक होता है
'त्यागना' ही सफलता है
व्यक्ति अपने दोनों हाथों से सफलता बटोरता है
लक्ष्य बड़ा है
भर लेते है
बड़े लक्ष्य के लिए स्थान कहाँ से जुटा पायेंगे? इसलिए बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए छोटी-छोटी आकांक्षाओं को तिलांजलि देनी पड़ती है
पड़ता है
से विलग होना पड़ता है
का भेदन करना इस बात का सुन्दर उदाहरण है
उस समय पक्षी की आँख के अतिरिक्त समस्त वस्तुओं को अपने दृश्य-पटल से विलग कर दिया था।

'त्याग' करना सरल कार्य नहीं है
आकर्षण ऐसे बन्धन है
सबसे बड़ी बाधाएँ है
वही सबसे बड़ा त्यागी है
चूमती है
औ
दूसरी ओर समस्त ब्रह्माण्ड अपने सूक्ष्मतम कण से भी आकर्षण के बन्धन में बँधा है
के नियम से संचालित आकर्षण का नियम न हो तो परमाणु का सूक्ष्मतम कण भी विघटित हो सर्वत्र विनाश का कारक बन जाता है

हमारे सौ
पर ही है
विघटन के सिद्धान्त पर आधारित है
आवश्यक है
है
में उचित भेद कर पाता है
दो अमूल्य सिद्धान्तों को सन्तुलित रूप में प्रयोग कर पाता है
विचारों को आकर्षित करना है
होना है

प्रिय छात्रों, हमारा अपने लक्ष्य के प्रति जितना अधिक आकर्षण होगा उतना ही अधिक हमारा विकर्षण उन अवांछनीय वस्तुओं व विचारों से बढ़ता जायेगा, जो उस लक्ष्य को प्राप्त करने में बाधा बनते है
अपने समस्त प्रयास उस आकर्षण को बढ़ाने में लगा देते है
की आवश्यकता नहीं रह जाती है
स्वत: ही उत्पन्न होने लगता है
तुम प्रतिदिन विद्यालय आना चाहते हो, लेकिन तुम्हें बहुत सारी बाधाएँ विचलित करती है
ठान लो कि मुझे विद्यालय जाना ही है
कि विद्यालय जाने के उद्देश्य को प्राप्त करने में आने वाली बाधाएँ शनै
उनको दूर करने के रास्ते नजर आने लगेंगे औ
अपने उद्देश्य के प्रति औ
इसी बात को प्रिय छात्रों! मै
करना चाहती हूँ—

काँच के घर में, ठहरे हुए पानी में भी, मै
लाख दीवारें सही, जमीं दो गज ही सही, चलने वालों को मै

बहुत सारी बातें रहती है
जब-जब मिलते हो, मै
हूँ। हर पल तुम्हारे भविष्य को संवारने की चाहत लिये हर उस चीज को जुटाने में प्रयासरत हूँ, जो तुम्हें ऊँचाइयों के सर्वोच्च शिखर तक पहुँचा सके। ढेर सारे प्यार एवं शुभकामनाओं के साथ मै
हूँ कि तुम सबने इन्टीट्यूट एवं विश्वविद्यालय में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स के स्वर्ण मुकुट में एक औ
दिया है

❑

साबुनों की दुनिया

—पूनम मौ
बी०टी०सी० (चतुर्थ सेमेस्टर)

एक बार सर्फ देश के राजा हमाम की पत्नी निरमा बीमार पड़ गई। राजा हमाम ने सेनापति लक्स से कहा— अगर तुम डिटरजेन्ट पर्वत से मारगो नामक जड़ी-बूटी लाओगे तो मै
डेटॉल से कर दूँगा। सेनापति लक्स तुरन्त अपने सेन्थॉल नामक एक्स-बेल वाले लगे चक्र पर सवार होकर पर्वत पर पहुँचे। वहाँ जाकर उसने मार्गो जड़ी-बूटी हर दिशा में ढूँढ़ा। सेनापति लक्स पुन: अपने सेन्थॉल रथ पर बै
ब्रीज बहने लगी औ
दूर पर उन्हें मार्गो बूटी मिली। सेनापति लक्स उसे लेकर सर्फ देश की ओर चल दिया। राजा हमाम मार्गो बूटी पाकर बहुत खुश हुए औ
पियर्स का विवाह सेनापति लक्स के बेटे डेटॉल से कर दिया। अब वह पियर्स का लाइफबॉय बन गया औ
दो साल बाद उनके घर में जॉनसन्स बेबी का जन्म हुआ औ

❑❑

अवसर को दास बना लेना ही सफलता है

—अनुपम वर्मा
बी० टी० सी० (चतुर्थ सेमेस्टर)

मानव-जीवन बहुत ही संघर्षशील एवं विपरीत
परिस्थितियों से परिपूर्ण है
अनुरूप परिस्थितियों का सामना करते है
सफल होते है
नहीं आता, उसे ढूँढ़ना पड़ता है
करने वाले कठिन से कठिन बाधा को पार कर लेते है
फ्रांसिस बेकन कहते है
जितने अवसर मिलते हैं
हैं
था, एक बार उसने कोर्ट में मुकदमे की सुनवाई देखी।
वकीलों की बहस सुनने के बाद उसे लगा कि इनसे
अच्छी बहस तो वह खुद कर सकता है
उसने वकालत पढ़ने का निर्णय किया औ
ब्रिटेन का प्रसिद्ध वकील बनकर लोगों के सामने आया।
मेरे समझ में जो लोग ये कहते है
मिला, नहीं तो मै
एक बहाना है
है
है
वे होते है
अवसर को दास बनाना नामुमकिन नहीं है
लिए आपको अवसर के रूप में पहचानना पड़ेगा। बस
यह पहचान लें कि आप किस क्षेत्र में मन लगाकर
काम कर सकते है
प्रदर्शन कर सकते है
आप गंभीरता से अवसर तलाश करेंगे, तो धीरे-धीरे
खुद आपके पीछे अवसरों की भीड़ चली आयेगी।
अवसर के दरवाजे पर दस्तक आपको देनी होगी, क्योंकि
अवसर व्यक्ति के दरवाजे पर एक बार दस्तक देता है
लेकिन व्यक्ति अवसर के दरवाजे पर बार-बार दस्तक
देकर उसे अपना दास बना सकता है

❑❑

प्यारा सा बचपन

—स्तुति वर्मा
बी०टी०सी० (चतुर्थ सेमेस्टर)

आती है
वो सुनहरा-सा दिन वो झिलमिल-सी रातें
वो चन्दा का बादल में छिपना निकलना
वो झरनों का गिरना वो नदियों का बहना
वो बागों में कोयल का प्यारा-सा कुहुकना
वो हँसना-हँसाना औ
वो फूलों का खिलना वो भौ
वो नील गगन में पक्षियों का उड़ना
वो खेतों के मेड़ों पर गिरना सम्हलना
न कोई चिन्ता न था कोई गम
शायद इसी का नाम था बचपन
प्रभु! मेरे मन में तू भर दे वो नटखटपन
लौ

❑❑

पेशावर में घटी दर्द विदारक घटना पर कुछ पंक्तियाँ

—राहुल पाण्डेय
बी०टी०सी० (चतुर्थ सेमेस्टर)

दूध पिलाते थे नागों को
भारत पर चढ़ जाने को
आतंकी पै
दहशत फै
पाकिस्तान तेरी करनी का
फल बच्चों ने भोगा है
दोहरे चेहरे वाले जालिम
उतरा तेरा चोंगा है
इसी बेल को पाल पोस कर
तूने कितना बड़ा किया
हर आतंकी को अपनाया
अपना अड्डा खड़ा किया।
आज तुझे ही डस डाला
तेरे ही पाले साँपों ने
पै
तेरे आतंकी बापों ने।
देख जरा उस पीड़ा को
जो हर हृदय से उठती है
सूँघ जरा उस बदबू को
जो मरे शवों से उठती है
यू ही लोग मरे थे जब
तुमने मुम्बई दहलाया था
गोली की आवाजों से जब
अक्षरधाम गुंजाया था।
संसद पर हमला हो या
कई बारों के बम के विस्फोट
अफजल गुरु कसाब भेजकर
कितनी गहरी दी है
फिर भी तेरे दु:ख में जालिम
तेरे साथ खड़े है
आतंकवाद से लड़ जाने को
खुलकर आज अड़े है
बात समझ आ पाई हो तो
अब ये दहशत बंद करो
भाड़े के आतंकी रोको
अब ये दहशत बंद करो।
वरना एक दिन तुम डूबोगे
सारे मारे जाओगे
अपनी करनी के कारण
जीवन भर पछताओगे।

❑❑

दहेज लोभियों को समर्पित

—ममता देवी
बी०टी०सी० (चतुर्थ सेमेस्टर)

एक लड़का लड़की देखने गया। लड़की पसंद आने पर लड़के ने लड़की से कहा तुम तो मुझे पसंद हो पर क्या तुम्हारे बाप की है

लड़की ने जवाब दिया कि—
मेरे बाप की है
है
की।

❑❑

काश! मै

—सना परवीन
बी०टी०सी० (चतुर्थ सेमेस्टर)

काश! मै
तो कितना अच्छा होता।
सुनीता, कल्पना औ
तो कितना अच्छा होता।
हमारे देश में इतनी गरीबी न होती,
तो इस देश का हर गरीब बच्चा भरपेट खाना खाता।
अपने उम्र के बच्चों को जब बेफिक्र देखती हूँ,
तो सोचती हूँ, अमीर होती तो कितना अच्छा होता।
मेरी इक ख्वाहिश के लिए अम्मा बाबा जब एक
दूसरे का मुँह देखते हैं
औ
पेट सोना पड़ता है
तो मै
तो कितना अच्छा होता।
मै
तो कितना अच्छा होता
काश! मै
तो कितना अच्छा होता।

❑❑

मै

—रमेशकुमार
बी०टी०सी० (चतुर्थ सेमेस्टर)

शाम हो गयी अभी तो घूमने चलो न पापा
चलते-चलते थक गई कंधे पर बिठा लो न पापा
अँधेरे से डर लगता है
मम्मी तो सो गयी आप ही थपकी देकर सुलाओ न पापा
स्कूल की पढ़ाई तो पूरी हो गयी अब कालेज जाने दो न पापा
पाल पोसकर बड़ा किया अब जुदा तो मत करो पापा
अब डोली में बिठा ही दिया तो आँसू तो मत बहाओ न पापा
आपकी मुस्कुराहट अच्छी है
आपने मेरी हर बात मानी एक बार औ
इस धरती पर बोझ नहीं मै

❑❑

आजादी के 68 वर्षों में क्या खोया, क्या पाया?

–अंशिका सिंह
बी.टी.सी. (प्रथम सेमेस्टर)

हमें सन् 1947 में आजादी मिली औ
लोकतंत्र की स्थापना हुई। आजादी के इतने वर्ष बाद भी
क्या आपको लगता है
है त
सिंह एवं अन्य देशभक्तों ने की थी, वह स्वतंत्रता वर्तमान
में लुप्त या कहिए कि सिर्फ नाममात्र की रह गयी है

हमें आजादी मिली, गणतंत्र मिला, इस पर हर
व्यक्ति गर्व करता है
जिसे आज पूरा समाज भुगत रहा है

समाज में अनेक बुराइयाँ, भ्रष्टाचार, अन्य
सामाजिक कुरीतियाँ जन्म ले रही है
कौ
है
अत्यन्त आवश्यक है

सबसे बड़ा लिखित संविधान होने का गौ
भारतवर्ष को प्राप्त है
लेने से वह लागू हो सकता है
जंगलराज है
का दुरुपयोग हो रहा है

संविधा की उद्देशिका में ही 'अनेकता में एकता' का
ज्ञान मिलता है

अगर ऐसा होता, तो वर्तमान में असहिष्णुता औ
साम्प्रदायिकता को लेकर देश में विवाद न होता। मतलब
हमें आजादी तो मिली, लेकिन एकता को हम खोते जा
रहे है इसका जिम्मेदार कुछ संविधान भी है
से प्राप्त एक अधिकार 'आरक्षण' पर प्रकाश डालते है

संविधान ने अल्पसंख्यक एवं पिछड़े वर्ग को
'आरक्षण' दिया औ
सिर्फ अगले 20 वर्षों तक के लिए होगा, ताकि पिछड़े
एवं गरीब लोगों का उत्थान हो सके। यदि इस अवधि
में विकास प्रक्रिया पूर्ण न हो सके, तो जरूरतों के
अनुसार इनकी समयावधि बढ़ायी जा सकती है

लेकिन वर्तमान में आरक्षण को वोट बै
कर, इसका राजनीतीकरण होने लगा है

मै
अवश्य हूँ औ
निष्पक्ष समीक्षा चाहती हूँ। वर्तमान आरक्षण पद्धति से
हर समुदाय प्रभावित है
तो इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर आन्दोलन किया। आज
जो सबल है
सक्रिय है

आरक्षण को वर्ग, जाति विशेष न करके, गरीबी
के आधार पर दिया जाये। मै
आरक्षण की पूर्णतयः विरोधी हूँ। शै
आरक्षण को नहीं, काबिलियत को मौ
ये सिर्फ मेरी ही नहीं, बल्कि मुझ जै
पीड़ा है

अनुसंधान, खोजें, वै

सन् 1969 में बना भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान
विभाग (ISRO) पूरे विश्व में अपनी पहचान बना
चुका है
तय करके पूरे विश्व में नाम किया। शिक्षा प्रणाली के
लिए Edusate, रक्षा प्रणाली में अनेक उपलब्धियाँ जै
पृथ्वी, धनुष, एण्टी मिसाइल, अग्नि, त्रिशूल, ब्रह्मोस,
तेजस आदि अनेक मिसाइलों की सफलता, इससे भारत
एक मजबूत एवं सशक्त रक्षा प्रणाली वाले देशों में से
एक है

यातायात एवं औ
हुआ औ
जै

वाले वाहनों का अत्यधिक प्रयोग, औ
विभिन्न फै
जै
प्रदूषण बढ़ता ही जा रहा है
स्थान पर है
इसकी रोकथाम के लिए नये-नये यातायात सम्बन्धी नियम बनाने पड़ रहे है **W.H.O.** द्वारा हुए सर्वेक्षण के अनुसार- ''भारत में हर साल 3.5 लाख मौ
प्रदूषण के कारण हो रहे कै
जिम्मेदार हम सब है
संसद तक जाने में साइकिल का प्रयोग किया, जो सराहनीय है
राजनीति का एक हिस्सा मात्र था। यदि किसी विशिष्ट व्यक्ति को जाना होता है
गाड़ी उसके साथ चलती है
हमारे लिए नुकसानदेह है

ऐसा ही कुछ हाल कृषि जगत का भी है
हमारे वै
हाइब्रिड फसलें, कीटनाशक, विभिन्न कृषि उपयोगी यंत्र आदि की खोज की, जिससे उत्पादन बढ़ा, उर्वरकता प्रभावित हुई है
विभिन्न प्रकार के सूक्ष्म जीव विलुप्तप्राय होते जा रहे है औ

जानवरों में कुछ रसायनों को अधिक देने का ही परिणाम है

अनुसंधान औ
पर देश का विकास लगभग आधारित है
चीज का उपयोग एक सीमा के भीतर हो औ
चक्र के साथ छेड़-छाड़ कम होनी चाहिए, नहीं तो प्रकृति के साथ खेलना बहुत भारी पड़ेगा। इसके उदाहरण रह-रहकर हमारे सामने आ रहे है

शिक्षा-क्षेत्र- स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले शै
बजट की कमी थी तथा आधुनिक सुविधाओं का अभाव था। आजादी के पश्चात् शिक्षा-क्षेत्र में विकास के लिए नये-नये नियम एवं बजट बनाये गये।

आज हमें प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च शिक्षा तक विभिन्न प्रकार की सुविधाएँ मिल रही है
प्राथमिक स्तर पर प्राथमिक विद्यालयों की सुविधा। उनके अन्तर्गत किताब, कपड़ा तथा मध्याह्न भोजन तक की व्यवस्था, नवोदय विद्यालय, कस्तूरबा विद्यालय, राजकीय इण्टर कॉलेज, विभिन्न तकनीकी एवं प्रौ
सम्बन्धी विद्यालय इत्यादि। उनकी गुणवत्ता को सुधारने के लिए शिक्षित एवं योग्य अध्यापकों की व्यवस्था, विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्तियाँ इत्यादि। ये तो हमने पाया, लेकिन खोया क्या?

पहले गुरु पेड़ के नीचे भी शिष्य को सदाचार एवं संस्कृति से जोड़े रहते थे, लेकिन वर्तमान में बड़े-बड़े भवनों औ
नहीं किया जा सकता, क्योंकि पहली बात तो शिक्षा का व्यवसायीकरण होने लगा है
सम्बन्ध में लगातार परिवर्तन हो रहा है
गुरु को भगवान् के समान माना जाता था औ
अपने शिष्य को अपने पुत्र के समान मानकर शिक्षा देते थे। अपने आसपास के वातावरण में या समाचार-पत्रों में अक्सर गुरु-शिष्य रिश्ते पर कुछ अपवादजनक तथ्य सामने आ रहे है

कहा गया था- **''गुरु गोबिन्द दोउ खड़े....''**

लेकिन ऐसा सम्मान अब सिर्फ किताबों में या अपवाद रूप में कहीं देखने को मिलता है

यदि शिक्षा ने हमें आधुनिकता, वै
कहीं-न-कहीं अपनी संस्कृति एवं नै
जा रही है

कुल मिलाकर यदि राजनै
शै
हम गर्व करें, लेकिन ऐसी चोट भी दी, जिसकी भरपाई करना बहुत कठिन है

यदि हम अब भी समीक्षात्मक रुख रखते हुए अपनी गलतियाँ सुधारने का प्रयत्न करें, तो संभलने में शायद ज्यादा वक्त न लगे। इसकी शुरुआत हम सबको मिलकर करनी होगी।

❑

वर्तमान युवा-शक्ति

—प्रगति बाजपेयी

बी.टी.सी. (प्रथम सेमेस्टर)

''आज का युवा, कल हमारे देश का उज्ज्वल भविष्य है
औ
ये युवा वर्ग ''शक्ति'' का एक बहुत बड़ा सागर होते है
वाले कार्य हो जाते है
आजादी के समय वीरगति को प्राप्त हुए ''शहीद भगत सिंह'' औ
औ
के इतिहास के ऐसे दो युवा सपूत है
हँसते-हँसते अपने देश के प्रति न्यौ
इसी आजाद भारत में हम औ
''राजा राममोहन राय'' औ
युवा वर्ग जिन्होंने सती प्रथा एवं पर्दा प्रथा जै
में सुधार करके नारियों को उनका पूर्ण अधिकार दिलाया।
यहाँ बात अगर नारी की हो रही है
ऐसी असंख्य नारियों के नाम इतिहास में अमर है
जिनकी योग्यता का जितना गुणगान किया जाये, उतना ही उत्तम है
हो उठता है
बाई'' का नाम सर्वश्रेष्ठ है
नहीं, वरन् नारियों का भी महत्त्वपूर्ण योगदान है
तो हमारे देश में कहा जाता है **''यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता''।**
इस प्रकार भारत देश अगर देखा जाये तो ऐसे युवाओं से भरा पड़ा है
अपने प्राणों को भी न्यौ
ये तो बात रही हमारे इतिहास की, लेकिन क्या आज का युवा अपनी शक्ति का उचित उपयोग कर रहा है
प्रकाशित हो रही है
विध्वंसकारी कार्यों में लगा रहे है
दुष्परिणाम प्राप्त हो रहे है
क्या हमें गहनता से विचार करने की जरूरत नहीं है
औ
दे चुके युवा वर्ग व अन्य वर्ग देख गये थे, वह नींव आज कमजोर हो गयी है
अधूरे नहीं होते जा रहे है
औ
सोचेगा या विचार नहीं करेगा, तब तक किसी एक के काम करने औ
नहीं पहुँच पायेगा।
जै
नरेन्द्र मोदी जी द्वारा चलाया गया ''स्वच्छ भारत मिशन'' जिसके बारे में गाँव के बच्चे-बच्चे तक को प्रेरित किया जा रहा है
बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे है
प्रदर्शित कर रहे है
सड़क पर पान खाते निकलता है
सड़क पर किसी प्रकार का कूड़ा फेंक देता है
लगता है
देश बदल जायेगा, कदापि नहीं?
अरे! हमें तो अपने देश पर गर्व करना चाहिए, जहाँ इतने युवा-शक्ति का भण्डार है
जनसंख्या की दृष्टि से बड़ा देश है
इतनी कमी हो गयी है
''डिपरेशन'' का शिकार हो गया है
अगर वर्तमान की युवा-शक्ति को देखें, तो आज का युवा आवश्यक औ

आक्रोशित हो जाता है
करने लगता है
समस्या का हल निकल पाता है
विद्यार्थियों को राजनै
का सामना करना पड़ता है
अवसरवादी राजनीतिज्ञ, इन युवा विद्यार्थियों का उपयोग करते है
वादे करते है
की तरह निकाल देते है
हमारे शिक्षित बेरोजगार युवा वर्ग अपनी-अपनी डिग्री लेकर टहलते है
मिलने पर अनै
निष्फल बना दें, पता ही नहीं होता। वे कभी-भी यह नहीं सोचते कि ऐसा इनकी अपनी कमी के कारण होता है

अगर चुनाव प्रक्रिया में सजगता से वोट डालें, तो ऐसा कभी हो ही नहीं। हमारे देश में सबसे कम वोट युवा डालने जाते है
नहीं मिलती तथा कोई काम के बहाने घर में आकर छुट्टी व्यतीत कर रहा होता है
अधिकार को प्रधानता नहीं देते औ
भुगतते है
ही है
स्वयं के प्राप्त अधिकार को दूसरों को देकर उन्हें फायदा देते है
वोट डालेंगे ही नहीं तो अच्छे प्रतिनिधि की कल्पना ही क्यों करते है
का रिजल्ट हमेशा 65 प्रतिशत या 60 प्रतिशत ही होता है
प्रतिशत नहीं दे सकते है
है

जब बात कर्त्तव्य की आती है
होते जाते है
सबसे पहले हम धनात्मक (सक्रिय) हो जाते है
करते नहीं, फल की आशा करने लगते है

आज का नौ
समस्या से जूझ रहा है
अधिक है
सदा बाधक औ
आरक्षण सदै

विशेषाधिकार व वरदान इसलिए है
आरक्षण के माध्यम से नारी चहारदीवारी से बाहर निकल पायी है
ले पायी है
तथा पुरुषों की तरह जीवन-यापन कर पायी है

अभिशाप तथा बाधक इसलिए है
शै
कम शिक्षित लोग पद को पाकर उसका दुरुपयोग कर रहे है

दु:ख की बात तो यह है
साल व्यतीत होने के बाद भी हमारे देश की विषमता नहीं दूर हो पायी। जहाँ धनी औ
खाई निरन्तर बढ़ती जा रही है
कारण आरक्षण, धर्म औ
नहीं कि किसी भी युवक का विकास ''समाज व राष्ट्र'' का विकास है
विरुद्ध पूरा देश उस प्रगति से वंचित रह जाता है

''हर पेट को रोटी, हर हाथ को काम'', ''बेरोजगारी भत्ता दो'', ''शिक्षा को रोजगार से जोड़ो'' आदि नारे हमें आज बेरोजगारी की समस्या पर सोचने के लिए विवश करते है
व्यक्तिगत तौ
शिक्षित युवा वर्ग नौ
करते है
नहीं ग्रहण करते है

दूसरा कारण आज के नवयुवकों में आलस्य का है
इसलिए गोस्वामी तुलसीदास जी ने लिखा है

''समय चूकि पुनि का पछिताने।
का वर्षा जब कृषि सुखाने।।''

एक किसान खेत में हल चलाता है
पानी की आकांक्षा करता है
नहीं बरसता है
नहीं होता। आज मेरिट का बोलबाला है
की थोड़ी-सी भूल उन्हें मेरिट में पिछाड़ देती है
शिक्षित बेरोजगार की श्रेणी में आ जाते है
कहावत है **"Strike when iron is hot."**

इसका तात्पर्य, जब लोहा गर्म होता है
चोट करो, ऐसा करने से वह उसी दिशा में मुड़ जायेगा, जिस दिशा में चाहते हो।

इसलिए जीवन में समय रहते हर एक को कर लेना चाहिए। समय पर चीज शोभा देती है
मर जाने पर डाक्टर पहुँचने से क्या लाभ? परीक्षा में असफल हो जाने पर भाग्य को कोसने से क्या लाभ? इसलिए कहा भी गया है

''वक्त का हर शौ
वक्त का हर शौ
वक्त के दिन औ
वक्त के है

एक अच्छे राष्ट्र का योगदान उस देश के युवाओं के हाथ में होता है
शक्तियों के भण्डार होते है
सही उपयोग की। यदि युवा अपनी इस शक्ति को सृजनात्मक कार्यों में लगा दें तो देश की काया पलट हो सकती है

❑

सफलता के सोलह सोपान

–रुचि दूबे
बी.टी.सी. (प्रथम सेमेस्टर)

1. गुण– न हो तो जीवन व्यर्थ है
2. विनम्रता– न हो तो विद्या व्यर्थ है
3. उपयोग– न हो तो धन व्यर्थ है
4. साहस– न हो तो हथियार व्यर्थ है
5. भूख– न हो तो अनाज व्यर्थ है
6. होश– न हो तो जोश व्यर्थ है
7. परोपकार– न करने वालों का जीवन व्यर्थ है
8. गुस्सा– अक्ल को खा जाता है
9. अहंकार– मन को खा जाता है
10. चिन्ता– आयु को खा जाती है
11. रिश्वत– इन्साफ को खा जाती है
12. लालच– ईमान को खा जाती है
13. दान– करने से निर्धनता दूर हो जाती है
14. सुन्दरता– के लिए लज्जा आवश्यक है
15. दोस्त– चिन्तित हुआ दोस्त मुस्कराते हुए दुश्मन से अच्छा है
16. सूरत– हमें इंसान की अक्ल देखनी चाहिए, शक्ल नहीं।

❑❑

क्या कहना है

—रोशनी सोनी
बी.टी.सी. (प्रथम सेमेस्टर)

करने को आराम मिले तो क्या कहना है
बिना काम के नाम मिले तो क्या कहना है

किये चापलूसी यदि वेतन बढ़ जाये,
मुकुट श्रेष्ठता का यदि सिर पर चढ़ जाये,
इस पर अच्छा दाम मिले तो क्या कहना है
बिना काम के नाम मिले तो क्या कहना है

भावुक जनता को यदि मूर्ख बना करके,
भाँति-भाँति के उनको स्वप्न दिखा करके,
कुर्सी ललित-ललाम मिले तो क्या कहना है
बिना काम के नाम मिले तो क्या कहना है

रावण जै
हत्यारों का धर्म किसी का क्यों न हो,
जायें जहाँ, सलाम मिले तो क्या कहना है
बिना काम के नाम मिले तो क्या कहना है

नफरत से जो सराबोर, यश का मोहताज,
'लाख टका मेरो मोल' बता, तो करता नाज,
पद यदि उसे तमाम मिले तो क्या कहना है
बिना काम के नाम मिले तो क्या कहना??

कम-से-कम इससे ही दुनिया जानेगी,
नेक, दुष्ट कुछ तो वो, मुझको मानेगी,
बिना किये इल्जाम मिले तो क्या कहना है
बिना काम के नाम मिले तो क्या कहना है

हम है
मुखिया की आँखों में कुछ कर छाने का,
मौ
बिना काम के नाम मिले तो क्या कहना है

दस कवियों की इक-इक पंक्ति चुरा करके,
बनी हुई रचना, अपनी बतला करके,
नाम अगर बिन काम मिले तो क्या कहना है
बिना काम के नाम मिले तो क्या कहना है

❑❑

बूझो तो जाने

—प्रियंका
बी०टी०सी० (प्रथम सेमेस्टर)

मेरे नाम का पहला अक्षर भगवान में है
मेरे नाम का दूसरा अक्षर वर्ष में है
मेरे नाम का तीसरा अक्षर दीया में है
मेरे नाम का चौ
मेरे नाम का पाँचवाँ अक्षर हेमन्त में है
मेरे नाम का छठवाँ अक्षर मन में है
मेरे नाम का सातवाँ अक्षर राग में है
मेरे नाम का आठवाँ अक्षर जग में है
मेरे नाम का नवाँ अक्षर वश में है
मेरे नाम का दसवाँ अक्षर कर्मा में है

उत्तर— भवदीय हेमराज वर्मा

❑❑

किसकी आँख में क्या है

—किरन वर्मा
बी. एड्.

माता की आँखों में क्या है	=	**ममता**
पिता की आँखों में क्या है	=	**कर्त्तव्य**
बहन की आँखों में क्या है	=	**स्नेह**
भाई की आँखों में क्या है	=	**सम्मान**
गुरु की आँखों में क्या है	=	**ज्ञान**
सज्जन की आँखों में क्या है	=	**नम्रता**
अमीर की आँखों में क्या है	=	**घमण्ड**
गरीब की आँखों में क्या है	=	**आशा**
ईश्वर की आँखों में क्या है	=	**दया**
विद्यार्थी की आँखों में क्या है	=	**जिज्ञासा**
नेता की आँखों में क्या है	=	**कुर्सी**
अभिनेता की आँखों में क्या है	=	**प्रसिद्धि**
पति की आँखों में क्या है	=	**धै**
पत्नी की आँखों में क्या है	=	**समर्पण**

❑

Two Days Workshop on Financial Modeling through MS Excel

''हरित भवदीय'' कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण

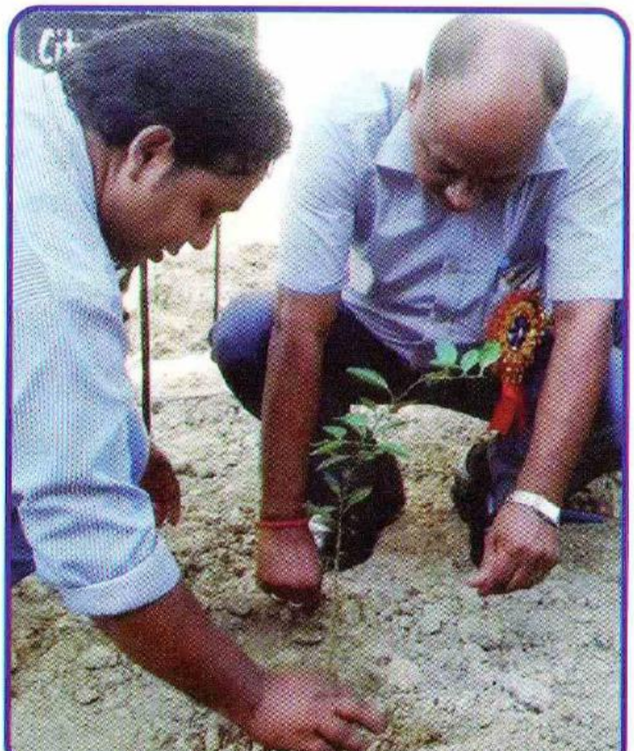

वृक्षारोपण करते श्री उदयभान सिंह,
ड्रग इन्स्पेक्टर, फैजाबाद

वृक्षारोपण करते
श्री एन के. स्वामी, असि. कमिश्नर (ड्रग्स)
फैजाबाद मण्डल

वार्षिक परीक्षा–2014

संस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्रायें

आँचल निगम (एम.बी.ए.) 75.26%

गौरव कुमार (बी.सी.ए.) 76.80%

पूजा पाण्डेय (बी.बी.ए.) 75.55%

संस्थान में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्रायें

अनामिका राव (एम.बी.ए.) 71%

मुकेस कुमार (बी.सी.ए.) 75.05%

गरिमा रानी (बी.बी.ए.) 73.83%

संस्था की बी.सी.ए. छात्रा शिवानी रस्तोगी को (वर्ष 2015) का गोल्ड मेडल प्रदान करते हुए महामहिम राज्यपाल रामनाईक जी

वार्षिक परीक्षा-2015

प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्रायें

मनोज कुमार पाण्डेय
एम.बी.ए. (69.08%)

शिवानी रस्तोगी
बी.सी.ए. (78.97%)
(स्वर्ण पदक विजेता)

ज्योति सिंह
बी.बी.ए. (72.65%)

जागृति गौतम
डी.फार्म (81.71%)

विपिन राव
बी:एड्. (77.2%)

अजय कुमार यादव
बी.टी.सी. (83.48%)

द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्रायें

विजय कुमार सिंह
एम.बी.ए. (66.58%)

प्रिया सिंह
बी.सी.ए. (78.72%)

अर्चना तिवारी
बी.बी.ए. (72.38%)

सुमन निसाद
डी.फार्म (75.90%)

अजय कुमार
बी.एड्. (76.7%)

राजू वर्मा
बी.टी.सी. (82.92%)

द्वितीय वार्षिक समारोह पर आयोजित कार्यक्रमों की झलकियाँ

मंचाशीनअतिथि प्रो मंशाराम वर्मा, प्रो. कृपाशंकर, पूर्व कुलपति (यू.पी.टी.यू.), माननीय अवधेश प्रसाद, मंत्री समाजकल्याण

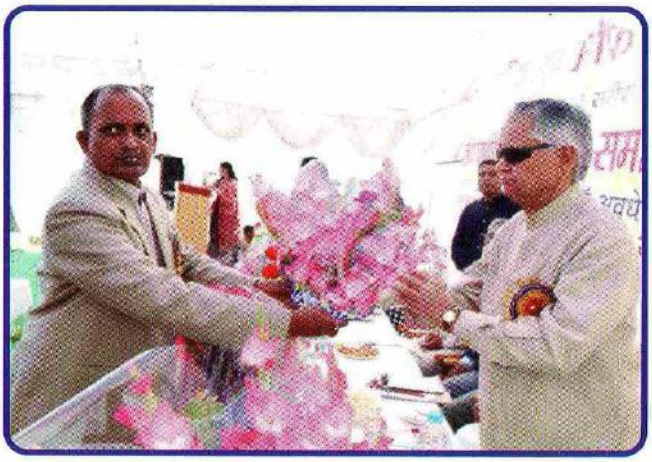

समरोह अध्यक्ष : डॉ. रामशंकर त्रिपाठी का स्वागत करते प्रबन्ध निदेशक

मुख्य अतिथि माननीय अवधेश प्रसाद जी (मंत्री समाज कल्याण विभाग) को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुये प्रबन्ध निदेशक श्री मिश्री लाल वर्मा जी

समारोह अध्यक्ष डॉ. राम शंकर त्रिपाठी जी को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुये डॉ. अवधेश कुमार वर्मा (सचिव)

उपजिलाधिकारी सोहावल श्री अमित सिंह (पी.सी.एस.) का अभिवादन करते हुये संस्थान के सचिव डॉ. अवधेश कुमार वर्मा जी

उपस्थित-अतिथि वृन्द एवं छात्र-छात्रायें

द्वितीय वार्षिक समारोह पर आयोजित कार्यक्रमों की झलकियाँ

'अभ्युदय' पत्रिका का विमोचन करते हुये मुख्य अतिथि
माननीय अवधेश प्रसाद जी, प्रो. कृपा शंकर (कुलपति, जी.बी.टी.यू.),
डॉ. राम शंकर त्रिपाठी एवं प्रबन्ध समिति के पदाधिकारी

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते छात्र एवं छात्रायें

वार्षिक समारोह के अवसर पर सांस्कृतिक
कार्यक्रम प्रस्तुत करते छात्र एवं छात्रायें

वार्षिक समारोह के अवसर पर सांस्कृतिक
कार्यक्रम प्रस्तुत करते छात्र एवं छात्रायें

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते छात्र एवं छात्रायें

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते छात्र एवं छात्रायें

दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह के उद्घाटन सत्र की झलकियाँ

वार्षिक क्रीड़ा पर दीप प्रज्जवलन करते हुये खेलमंत्री माननीय रामकरन आर्य

वार्षिक क्रीड़ा का शुभारम्भ करते हुये खेलमंत्री माननीय रामकरन आर्य

म्युजिकल चेयर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रायें

100 मी. दौड़ में विजयी छात्रों को मेडल प्रदान करने के उपरान्त

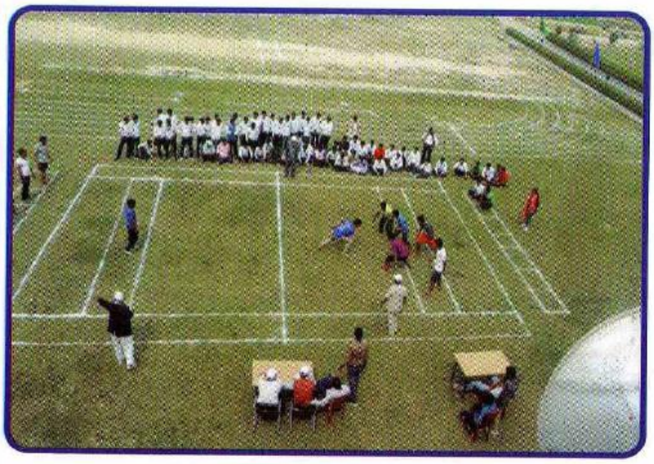

कबड्डी प्रतियोगिता के फाइनल मैच का दृश्य

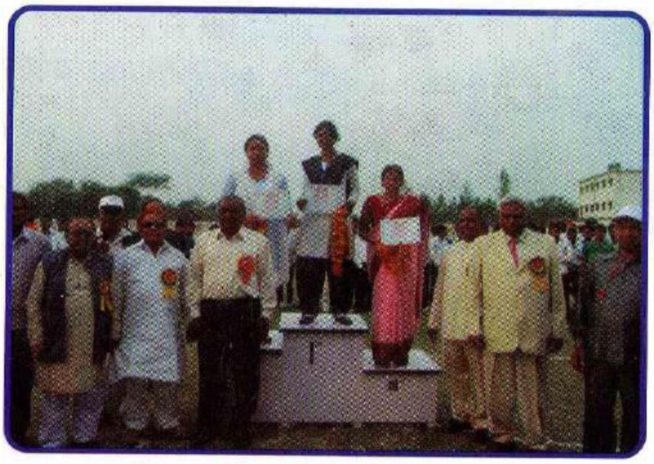

म्युजिकल चेयर में विजयी छात्राओं को मेडल प्रदान करने के उपरान्त

दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा (समापन) समारोह की झलकियाँ

समारोह मे शिरकत करने पहुँचे
श्री विशाल चौहान, (IAS) मण्डलायुक्त, फैजाबाद

स्वागत गीत प्रस्तुत करती छात्रायें

मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुये
इं. पी.एन. वर्मा, अध्यक्ष (बी.जी.आई)

विजयी छात्र/छात्राओं को पुरस्कृत करते हुये मुख्य अतिथि
एवं श्री मिश्रीलाल वर्मा जी, प्रबन्ध निदेशक, बी.जी.आई.

विजयी छात्र/छात्राओं को पुरस्कृत करते हुये मण्डलायुक्त, फैजाबाद श्रीयुत् विशाल चौहान (IAS)
एवं डॉ. वीरेन्द्र त्रिपाठी, प्रधानाचार्य, एस.एस.वी. इण्टर कालेज, फैजाबाद

राष्ट्रीय पर्वों पर आयोजित कार्यक्रमों की झलकियाँ

राष्ट्रगान करते हुए प्रबन्ध समिति पदाधिकारी एवं शिक्षकगण

झण्डारोहण करते संस्थान के प्रबन्ध निदेशक श्री मिश्री लाल वर्मा जी

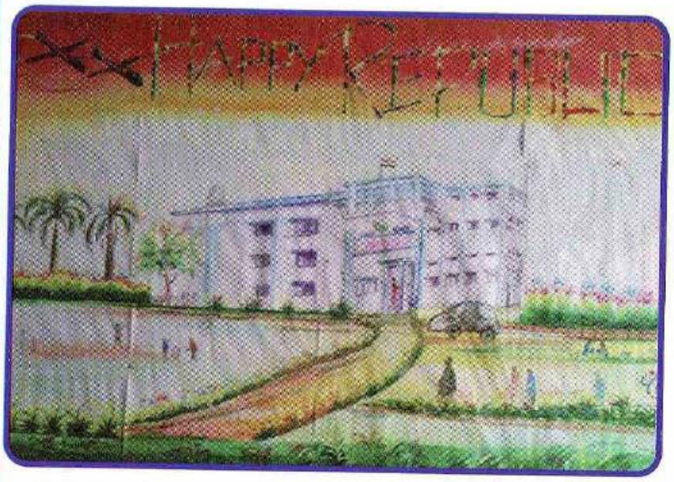

बी.टी.सी. कला प्रवक्ता श्री पंकज यादव द्वारा निर्मित संस्थान की स्केच फोटो

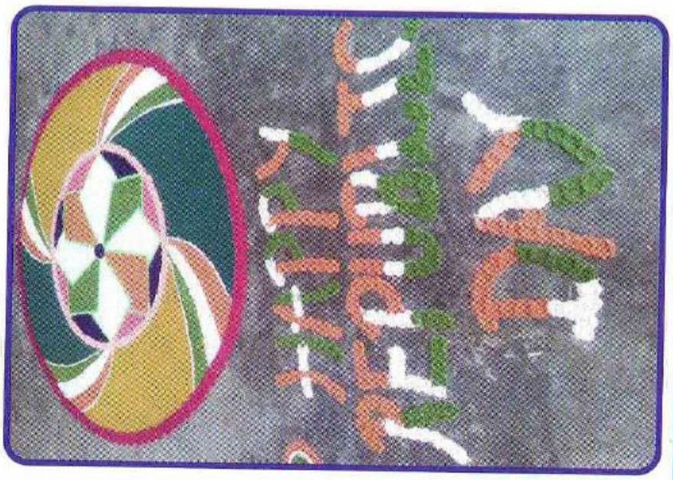

गणतंत्र दिवस के अवसर पर छात्राओं द्वारा बनायी गयी रंगोली

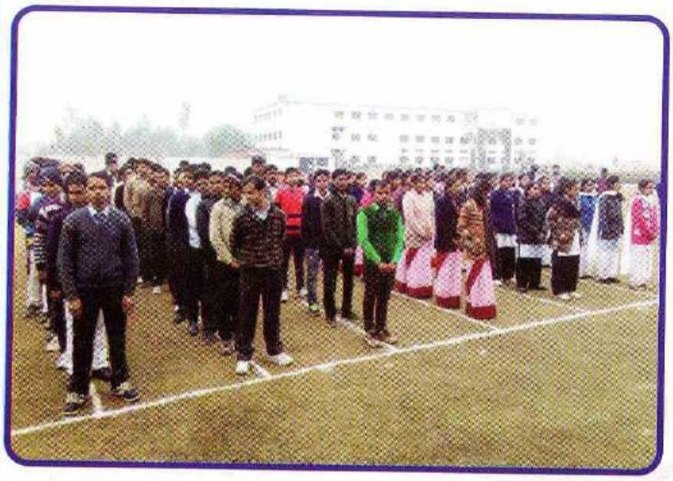

ग्राउण्ड पर उपस्थित छात्र एवं छात्रायें

26 जनवरी 2015 को मतदाता जागरूकता अभियादन के तहत शपथ ग्रहण करते हुए संस्थान के सचिव व अध्यापकगण

राष्ट्रीय पर्वों पर आयोजित कार्यक्रमों की झलकियाँ

गणतंत्र दिवस के अवसर पर गीत प्रस्तुत करती हुई बी.टी.सी. विभाग की छात्राएँ

राष्ट्रभक्ति का नाट्य प्रस्तुतीकरण

संस्थान के महानिदेशक प्रो. मंशाराम वर्मा जी को
फार्मेसी विभाग के छात्र भारत माता का मॉडल भेंट करते हुए

माँ सरस्वती के समक्ष प्रबन्ध निदेशक द्वारा दीप प्रज्ज्वलन

कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावक, छात्र/छात्राएँ एवं अध्यापकगण

प्रस्तुति देते हुए फार्मेसी विभाग की छात्राएँ

संस्थान की विभिन्न गतिविधियाँ

बी.एड्. 2014-15 सत्र के छात्र/छात्राओं द्वारा टीचिंग

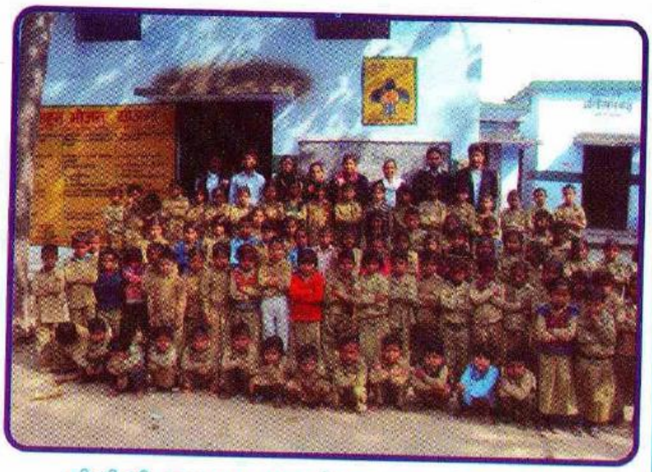

बी.टी.सी. 2014-15 सत्र के छात्र/छात्राओं द्वारा टीचिंग

शिक्षक-प्रशिक्षण विभाग की छात्राओं द्वारा निर्मित रंगोली

शिक्षक-प्रशिक्षण विभाग की छात्राओं द्वारा निर्मित रंगोली

मैनेजमेन्ट विभाग की छात्राओं द्वारा निर्मित रंगोली

फार्मेसी विभाग की छात्राओं द्वारा निर्मित रंगोली

संस्थान की विभिन्न गतिविधियाँ

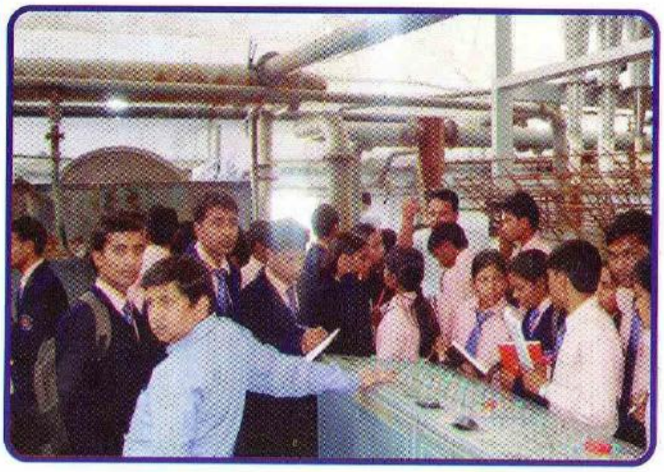

बजाज पेपर मिल्स लि., उन्नाव का औद्योगिक भ्रमण

अमृत बाटलर्स लिमिटेड (कोका कोला), फेजाबाद में औद्योगिक भ्रमण

फ्रेशर्स पार्टी में चयनित मि. और मिस फ्रेशर (देवव्रत श्रीवास्तव, मो. फहीम खान, मेघना अग्रवाल, पूर्णिमा रावत)

फेयरवेल पार्टी में चयनित मि. और मिस फेयरवेल (कुशमेश मिश्रा, रजीउल्लाह, शालू तिवारी, दीपिका श्रीवास्तवा)

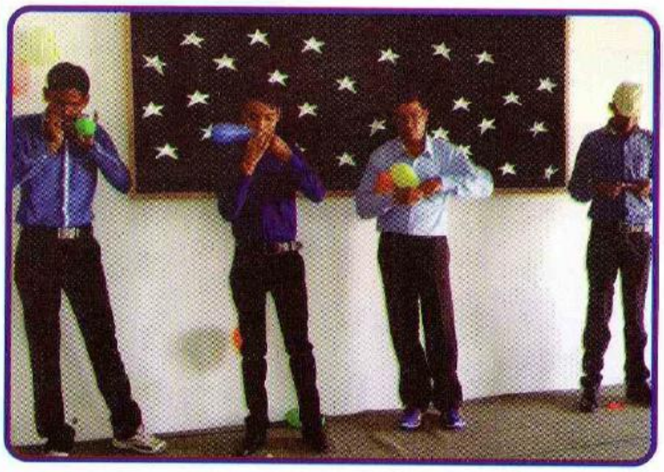

फ्रेशर्स पार्टी में Ballon Blowing Comptition में भाग लेते हुये एम.बी.ए. सत्र 2015-16 के छात्र

फ्रेशर पार्टी में मिस फ्रेशर प्रतियोगिता में भाग लेती हुयी सत्र 2015-16 एम.बी.ए., बी.बी.ए. तथा बी.सी.ए. पाठ्यक्रम की छात्रायें

संस्थान के नवनिर्मित 'सारस्वत' भवन का लोकार्पण करते प्रो. मंशाराम वर्मा जी-महानिदेशक (बी.जी.आई.)

भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स द्वारा आयोजित मेगा क्विज प्रतियोगिता में पुरस्कृत छात्रएवं छात्रायें

शिक्षक दिवस समारोह की झलकियाँ

रमाऊदेवी हेमराज वर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित विभिन्न धर्मार्थ कार्यक्रम

गरीब एवं असहायों को कम्बल वितरित करते संस्थान के प्रबन्धसमिति के पदाधिकारीगण

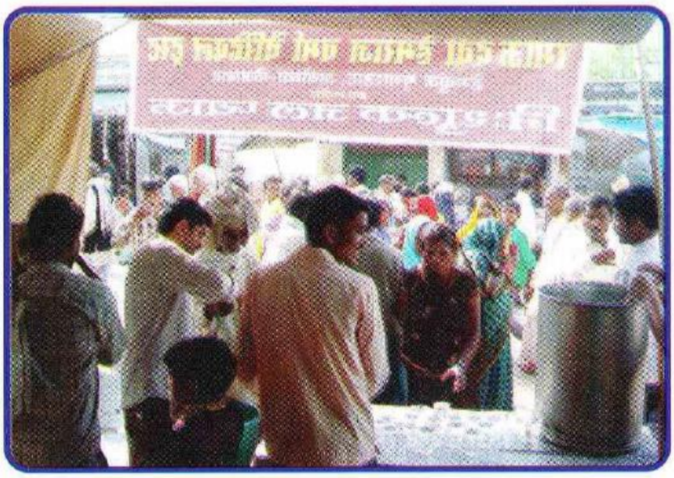

रामनवमी मेला, अयोध्या में मेलार्थियों की सुविधा हेतु आयोजित कैम्प

रिकाबगंज, फेजाबाद में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवा वितरण कैम्प

"World Pharmacist Day" समारोह की झलकियाँ

विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर मंचाशीन अतिथिगण

छात्रों द्वारा मॉडल प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुये आमंत्रित सदस्य श्री अवि आनन्द (अध्यक्ष, फैजाबाद ड्रग एसोसियेशन)

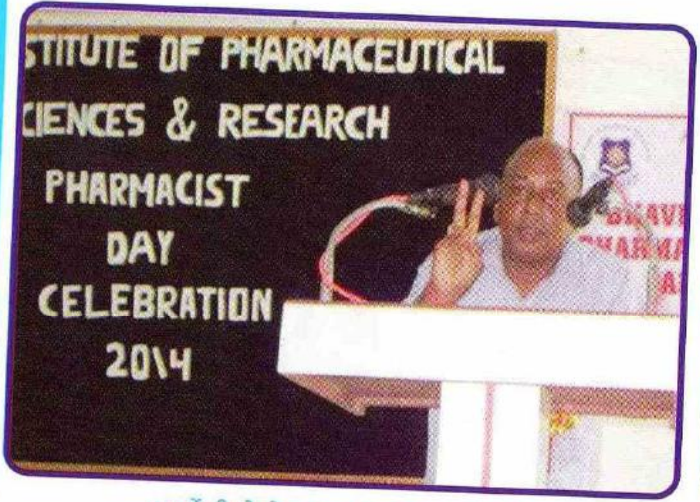

फार्मेसी प्रोफेशन का महत्व बताते हुये श्री उदयभान सिंह, ड्रग इंस्पेक्टर, फैजाबाद

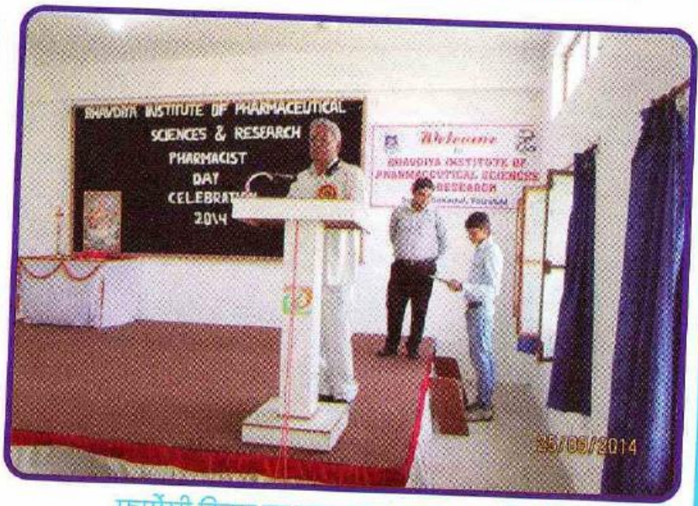

फार्मेसी दिवस पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुये प्रो. एम.आर.वर्मा, महानिदेशक, बी.जी.आई

समाज में फार्मासिस्ट की भूमिका पर प्रकाश डालते हुये श्री अवि आनन्द, अध्यक्ष, फैजाबाद केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसियेशन एवं डॉ. अवधेश कुमार, सचिव (बी.जी.आई.)

एक द्विवसीय योगा प्रशिक्षण शिविर एवं वर्कशॉप की झलकियाँ

"Yogic Breathing and its Application for health : A Scientific Approach"

Yogacharya: Dr. Guru Deo, Banglore

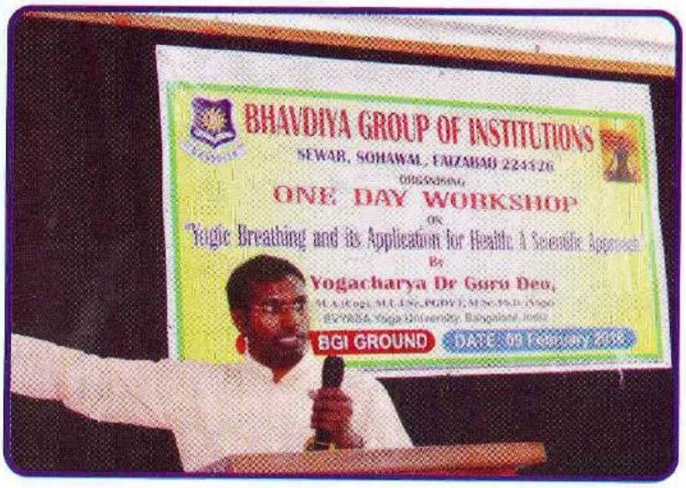

योगाचार्य : डॉ. गुरूदेव, बैंगलोर एक दिवसीय योगा वर्कशाप पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए

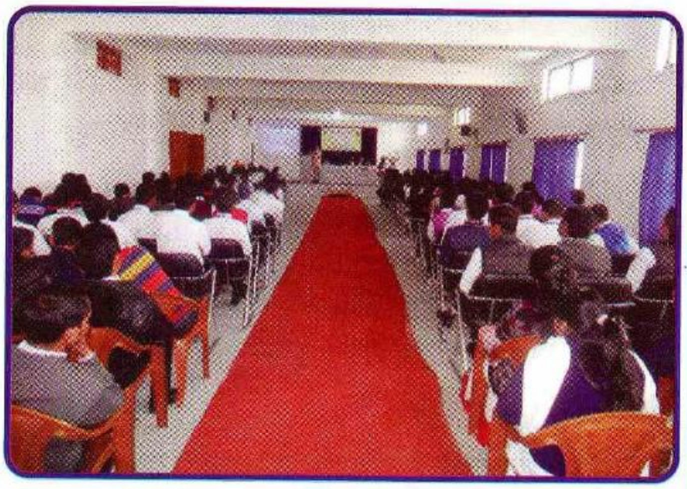

योगा वर्कशाप में उपस्थित श्रोतागण

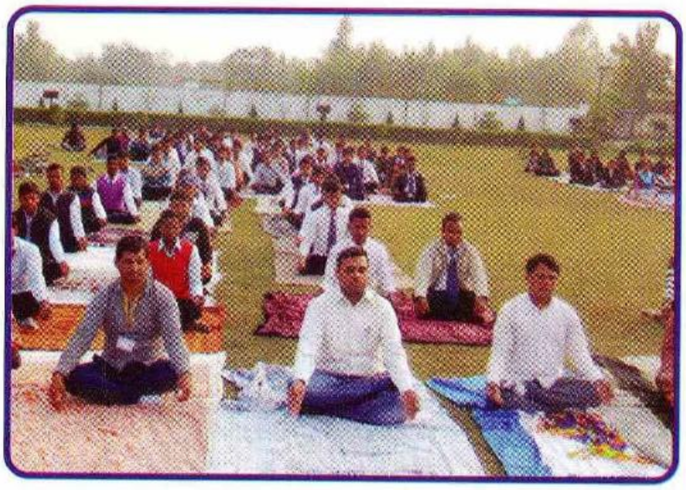

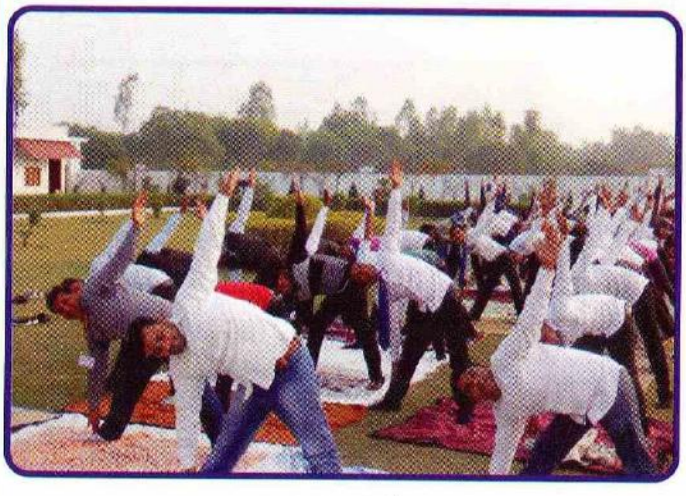

संस्थान के हरियाली युक्त परिसर में योगा प्रशिक्षण प्राप्त करते संस्थान के प्रबन्ध समिति के सदस्य, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएँ।

प्रबन्धन विभाग के अन्तर्गत दो दिवसीय कार्यशाला

Guest Lecture on "Cloud Computing" by Mr. Ritesh Manucha

Inter College Paper Presentation on "Cloud Computing"

Team Building Programme by Dr. Sanjay Bharti, Prof. Apolo Institute of Technology, Kanpur

Faculty Development Programme by Dr. Sanjay Bharti, Prof. Apolo Institute of Technology

Student Development Programme by Dr. Sanjay Bharti, Prof. Apolo Institute of Technology

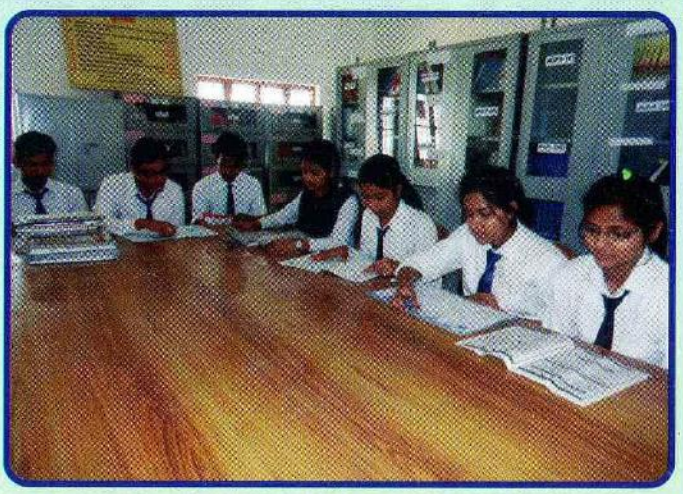

पुस्तकालय एवं वाचनालय

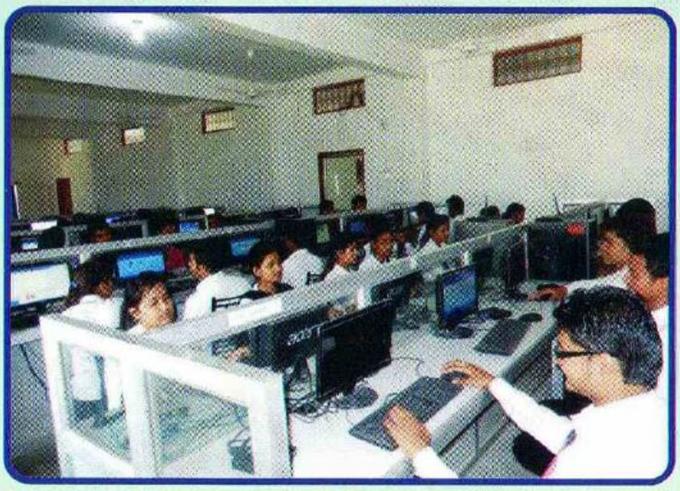
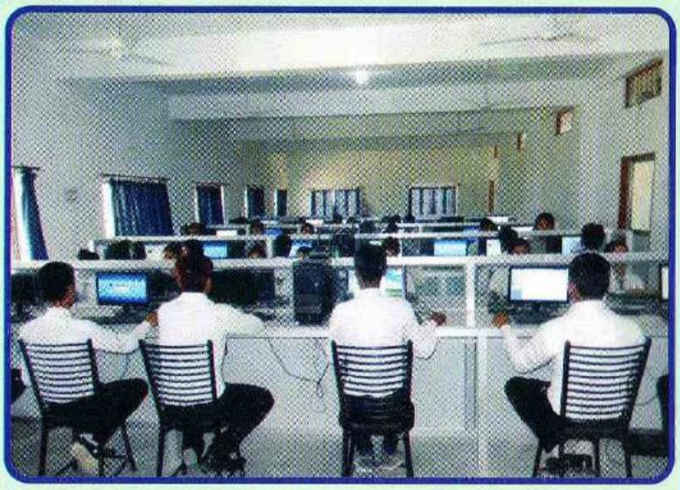

कम्प्यूटर लैब

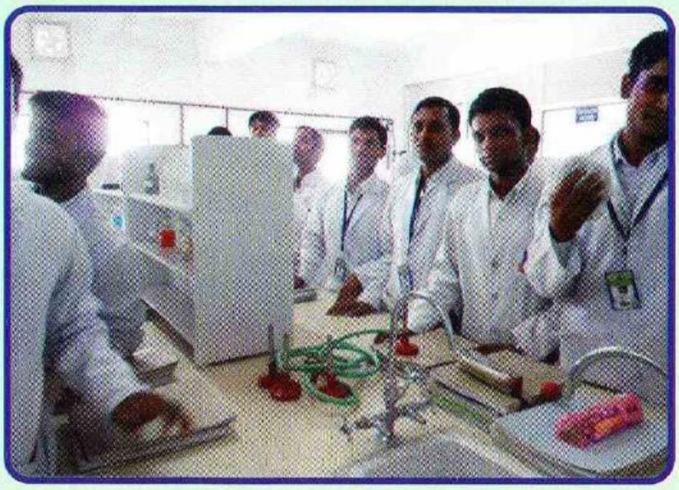

फार्मेसी लैब